

उपायुक्त ने समाहरणालय भवन ब्लॉक ए. एवं ब्लॉक बी. के रख-रखाव हेतु अधिकारियों से की अहम बैठक

समाहरणालय में बनेगा डे चाइल्ड केयर कक्ष

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को समाहरणालय भवन ब्लॉक ए. एवं ब्लॉक बी. के रख-रखाव के लिये अधिकारियों से अहम बैठक की। उपायुक्त ने बैठक में कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण प्रमंडल संख्या-1, अखिलेश प्रसाद से पूरे भवन की जाँच कर कार्य की सूची बना कर इसमें आने वाले खर्च का बजट तैयार कर प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने समाहरणालय भवन ब्लॉक ए. और बी. की साफ-सफाई रंगरोगन, प्रसाधन (पुरुष/ महिला) की साफ-सफाई एवं प्रसाधन को आधुनिक तरीके से व्यवस्थित कर इसके रंगरोगन कराने के निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कार्यपालक अभियंता विधुत कार्य प्रमंडल रातु, सुजा मिंज को आवश्यक दिशा- निर्देश देते हुए को खराब पड़ी लिफ्ट को ठीक कराने

एवं डे टू डे मेंटेनेंस कराने को कहा। तथा इन दोनों भवन में सभी अधिकारियों के कक्ष एवं पार्किंग परिया एवं दोनों भवन में जहाँ बिजली के तार बाहर एवं अव्यवस्थित हैं। उसे ठीक करने एवं बिजली के तार अंडरग्राउंड कराने एवं दोनों भवन के कॉरिडोर में जहाँ लाईट नही लगा है एवं बाहर परिसर में लाइट लगाने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण प्रमंडल संख्या-1, को पूरे समाहरणालय परिसर को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने के लिए गॉर्डन बनाने का निर्देश व जहाँ पेवर्स टूट गए हो या जहाँ इसे लगाने की आवश्यकता हैं, उसे ठीक कराने और जल्द से जल्द दोनों भवनों का रंगरोगन कराने का और दोनों भवनों की जाँच कर इसे दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। इसके अलावे उपायुक्त ने पूरे समाहरणालय परिसर में जो वाहन बाहर खड़ी रहती है, उसे अंडरग्राउंड पार्किंग में लगाने एवं



दोनों मुख्य गेट में गार्ड की तैनाती करने का निर्देश दिया। ताकि अनाधिकृत प्रवेश ना हो। जिन्हें कार्यालय में काम हैं, वैसे लोग ही आ सकें। ताकि पूरे परिसर में अनाधिकृत लोग ना रहें। उपायुक्त समाहरणालय भवन ब्लॉक बी के साफ-सफाई, रख-रखाव, वाहनों

के बाहर पार्किंग को लेकर नाराज लगे। उन्होंने जल्द से जल्द इसे ठीक एवं व्यवस्थित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को समाहरणालय भवन के दोनों बेसमेंट पार्किंग की साफ-सफाई, एवं बारिश के समय बेसमेंट में पानी

जमा होता हैं, उसे ड्रेनेज व्यवस्था ठीक करने और बिजली के तार जो बाहर हैं, उसे अंडरग्राउंड कराने, बेसमेंट पार्किंग का रंगरोगन कराने और पार्किंग में जो वाहन अनाधिकृत रूप से खड़े हैं। उसे हटाने का निर्देश दिया। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा

सीएम ने लिया संज्ञान, तमिलनाडु से श्रमिकों को लाने अफसर रवाना

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तमिलनाडु के कांचीपुरम के किल्लूर गांव में झारखंड के प्रवासी मजदूरों के फंसे होने एवं चेन्नई के कुछ स्थानों से संबंधित वीथप्स वीडियो सोशल मीडिया पर प्राप्त होने के उपरांत संज्ञान लेते हुए पूरी संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल अफसरों को मजदूरों को संकुशल वापस लाने का आदेश दिया है।

हेमंत सोरेन के आदेश के बाद झारखंड पुलिस ने राज्य पुलिस के वरीय एवं कनीय पुलिस पदाधिकारी तथा श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग ने पदाधिकारियों और राज्य प्रवासी कंट्रोल रूम की सम्मिलित टीम को शुक्रवार को मौके पर जाने के लिए

रवाना कर दिया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि संबंधित मामले की जांच कर एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से संपर्क स्थापित कर प्रवासी मजदूरों का भुगतान कराते हुए उनको संकुशल वापस अपने राज्य लाया जाए। झारखंड राज्य पुलिस की ओर से डीआईजी तमिलवानन, डीएसपी शमशाद समी, एसआई खूबलाल साँ, एसआई दीपक कुमार, जबकि श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की ओर से संयुक्त श्रम आयुक्त राकेश प्रसाद, श्रम अधीक्षक अभिषेक वर्मा, एसआरएमआई के रिप्रेजेंटेटिव आकाश कुमार, राज्य प्रवासी कंट्रोल रूम की रिप्रेजेंटेटिव शिखा लकड़ा को प्रवासी मजदूरों को सुरक्षित लाने की जिम्मेदारी दी गई है।

पर्यावरण संरक्षण में हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी : हेमंत सोरेन

पर्यावरण मेले के समापन समारोह में शामिल हुए सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हमारा अस्तित्व रहेगा। लेकिन, आज विकास की अंधी दौड़ में जो पैमाने तय किए जा रहे हैं, वहां पर्यावरण पूरी तरह हाशिये पर है। अगर आज हम नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ी को इसका खतरनाक अंजाम भुगतना होगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण में हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अगर, हर इंसान इस दिशा में थोड़ा भी योगदान करे तो निश्चित तौर पर पर्यावरण को बेहतर बना सकते हैं। मुख्यमंत्री गुरूवार को मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित 10 दिवसीय पर्यावरण मेला के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण के कारण उत्पन्न संकट पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हम



पर्यावरण के साथ अपने आप को नुकसान पहुंचा रहे हैं । अगर हम इसे नहीं समझे तो फिर इसके परिणाम भुगतने को भी तैयार रहें । मेरा मानना है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़ी मुहिम चलाने से बेहतर है कि हर व्यक्ति इस दिशा में अपना योगदान दे। अगर यह शुरूआत करने में सफल होते हैं तो पर्यावरण का नुकसान तो रुकेगा ही, उसकी भरपाई भी करने में कामयाब होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संकट से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर तरह-तरह के अनुसंधान हो रहे हैं। करोड़ों -अरबों रुपए की लागत वाली बड़ी-बड़ी मशीनों से प्रदूषण को साफ करने की कोशिशें हो रही हैं, फिर भी पर्यावरण को जो नुकसान हो रहा है, उसे रोकने में बहुत कामयाब नहीं हो रहे हैं। मेरा कहना है कि जितने रुपए बड़ी-बड़ी मशीनों के खरीदने में खर्च किए जा रहे हैं, अगर उस पैसे

से पेड़ लगाया जाए तो वह स्वच्छ पर्यावरण के लिए ज्यादा कारगर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सकारात्मक सोच के साथ सरकार लगातार प्रयास कर रही है। हमारी सरकार शहरों में अपने घरों में एक पेड़ लगाने पर पांच यूनिट बिजली फ्री दे रही है। इसके अलावा शहरों के बीचो बीच हरियाली का दायरा बढ़ाने की कोशिशें लगातार जारी है। सरकार

महकमा स्पष्ट निर्देश है कि पेड़ लगाने और उसके संरक्षण के लिए हर मुमकिन कदम उठाए जाएं। इतना ही नहीं, जंगलों में और उसके कई किलोमीटर की परिधि में आरा मशीन लगाने को प्रतिबंधित कर दिया गया है । वे सभी प्रयास पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में हो रहा है। आगे भी सरकार इस दिशा में कई और निर्णय लेने जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों में बुके की बजाए पौधे देने की परंपरा शुरू की है जिसका सीधा संबंध पर्यावरण संरक्षण से है। मुख्यमंत्री ने 1990 के दशक को याद करते हुए कहा कि उस समय रांची की आबोहवा ऐसी थी कि घरों में पंखे लगाने के लिए हुक भी नहीं हुआ करते थे । मौसम हमेशा खुशनुमा बना रखा था, लेकिन आज पेड़ों के जंगलों की बजाय जिस तरह कंक्रीट के जंगल बन रहे हैं, उसने यहां के सुहाने मौसम को छीन लिया है। ऐसे में आने वाली पीढ़ी को जो वातावरण देने

जा रहे हैं, वह अच्छा संकेत नहीं है। इसलिए, पर्यावरण मेला के इस अवसर पर यह संकल्प ले कि अपने घर में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाएँ। इस दिशा में हर व्यक्ति अपना योगदान करे तो निश्चित तौर पर हमारा पर्यावरण साफ- सुथरा, स्वच्छ और सुहाना होगा।

मुख्यमंत्री ने पांडवानी कला की

विख्यात लोक कलाकार पद्म विभूषण तीजन बाई को सम्मानित किया। इस मौके पर अपनी पेंटिंग्स के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाले रामानुज शेखर और पर्यावरण संरक्षण के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने वाले पंचम चौधरी को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो और विधायक सुपू राय, कुमार जयमंगल, समीराल ताला लंबोदर महतो के अलावा पर्यावरणविद ओम सिंह और युगांतर भारती और नेचर फाउंडेशन के प्रतिनिधिगण विशेष रुप से मौजूद थे।

निराश करने वाला बजट : दीपक प्रकाश

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने झारखंड सरकार की ओर से पेश किया गया बजट लूट का बजट है। उन्होंने कहा कि बजट का अवलोकन करने से साफ प्रतीत होता है कि यह बजट राज्य को लूटने के लिए तैयार किया गया है। यह बजट दिखाहीन बजट है। प्रकाश शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉंफ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगेगा तब तक झारखंड का भला नहीं होने वाला है। उन्होंने राज्य सरकार की विजन पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार बजट तो बनाती है लेकिन उसे धरातल पर उतार नहीं पाती है। उन्होंने कहा कि राज्य का बजट गांव, किसान, मजदूर जो आवश्यक चीजों से वंचित है उन्हें केन्द्र बिंदु में रखकर बनाया जाना चाहिए था। राज्य के आधारभूत संरचना को मजबूत करने वाला बजट होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पिछले बजट का आकार एक लाख करोड़ का था लेकिन सरकार उस बजट में से मात्र 44 प्रतिशत ही खर्च कर पाई।

एक नजर

गैस सिलेंडर फटने से घर में लगी आग

रांची : हिंदपौड़ी थाना क्षेत्र स्थित माली टोला में शुक्रवार की सुबह गैस सिलेंडर फटने से घर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि घर में रखी सभी सामान जलकर राख हो गए। अगलगी की घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर आग को बुझाने में जुट गई। फिलहाल यह आकलन नहीं किया गया है कि इस आगलगी की वजह से कितने का नुकसान हुआ है। इस संबंध में हिंदपौड़ी थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े आठ बजे की है। राजेश मालाकार उर्फ बबलू के घर में अगलगी की घटना घटी है। इस अगलगी में कितना का नुकसान हुआ है। इसका आकलन नही हो पाया है। घर मालिक के द्वारा अबतक किसी प्रकार की लिखित जानकारी नही दी गई है।

ग्रामीणों व किसानों के साथ छलावा : डॉ आशा

रांची: झारखंड सरकार का बजट लूटे, बांटो और खाओ वाला बजट है। बजट में किसी भी क्षेत्र पर फोकस नहीं किया गया है। राज्य सरकार किसी प्रकार ठेल-धकेल कर अपना कार्यकाल पूरा कर रही है। बजट में पलामू व कोल्हान प्रमंडल के विकास के लिए कोई योजना नहीं है। महिलाओं, छात्रों व युवाओं के लिए भी इस बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बुजुर्गों को भी कुछ नहीं मिला। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कुल बजट का लगभग 12 प्रतिशत प्रावधान किया है, जो ग्रामीणों व किसानों के साथ छलावा किया गया है।

अवैध हथियार व गोली सहित युवक गिरफ्तार

रांची: अरगोड़ा थाना की पुलिस ने अवैध हथियार सहित गिरफ्तार युवक मनीष कुमार भुईया की गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दी। पुलिस की गिरफ्त में आया अभियुक्त पलामू जिला के चैनपुर का रहनेवाला है। इस संबंध में अरगोड़ा थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि हरमु चौक स्थित फुल दुकान में बाइक सवार तीन युवक पहुंचे थे। इस दौरान युवकों और दुकानदार में विवाद हो गया। जिसमें एक युवक मनीष कुमार भुईया दुकानदार को जान मारने की नियत से बाइक से उतरा और हथियार निकालकर उसके कनपटी में सटा दिया। दुकानदार द्वारा शोर मचाने पर आसपास के लोग जुट गये। इसी दौरान युवक से गुजर रही पेट्रोलिंग टीम ने मौके पर युवक को धर दबोचने में सफल रही। वहीं दो अन्य युवक भाग निकलने में सफल रहे। गिरफ्त में आये युवक के पास से एक देशी पिस्टल व पांच गोली बरामद की गई है। फरार दोनों युवकों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस की छापामारी जारी है।

ब्राउन शुगर कारोबार में फरार महिला गिरफ्तार

रांची : ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल फरार महिला शांति देवी को पुंराग ओपी पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को इलाहीनगर स्थित घर से गिरफ्तार की है। इस संबंध में पुंराग ओपी प्रभारी विवेक कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गिरफ्त में आयी महिला शांति देवी अपनी पहचान बदलकर इलाही नगर में रह रही है और इलाके में ब्राउन शुगर का कारोबार चला रही है।। उक्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आयी महिला के पास से फर्जी आधार कार्ड और वोटर पत्र बरामद की गई है। महिला नजरिन परवीन के नाम से पहचान पत्र बनाकर इलाही नगर में रह रही थी। जबकि महिला का असली नाम शांति देवी, पति हृदय लोहरा है। गौरतलब है कि रांची के अलग-अलग इलाकों में ब्राउन शुगर स्पन्दाई करने के आरोप में शांति देवी के खिलाफ पुंराग ओपी में कांड संख्या 268/22 दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से शांति देवी फरार चल रही थी।

रांची रेलवे स्टेशन से 16 किलो गांजा बरामद

रांची। रांची रेलवे स्टेशन से 16 किलो गांजा बरामद किया गया है। गांजा के साथ तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। होली में विहार और ओड़िशा में इस गांजा को बेचा जाना था। तस्करों ने बताया कि होली की वजह से आसपास के राय्यों में गांजा की डिमांड बढ़ गयी है। होली के पहले रांची रेलवे स्टेशन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गये हैं।आने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रेलवे स्टेशन में सर्च अभियान भी चलाया जा रहा है। रेलवे पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर गांजा की तस्करी कर रहे हैं और इसे विहार और ओड़िशा में बेचने की तैयारी है। सूचना मिलते ही पुलिस एक्टिव हो गयी। विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया और रेलवे पुलिस पर सघन सर्च अभियान चलाया गया।

झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला	
इन्फोर्मेशन सिस्टिम, चक्र रैक की सामग्री, गुमला	
गुमला का : 0359-222801/0359-222801	
E-mail : nareshkumar@gmail.com	
आम सूचना	
राज्य परियोजना विभाग, झारखंड शिक्षा परियोजना समित, टीसी डी भवन, 22रा डिप्टी एम 11,22222 में अखिल से कार्यरत सभी व्यक्ति निम्नलिखित में सेना विभागों को दिए गए पत्र को ध्यान में रखकर या समय से पहले विभाग के अधिकारी से संपर्क किया में सेना अधिकारी का सारा इति वकी पूरा सूची किये के अधिकारी से संपर्क https://gumla.nic.in या अधिकारी की वेब है। एक सूची में दिए अधिकारी को कई अलग से इनके अधिकार में अधिकारियों में केंद्र है। जो वे वे अलग से इनके अधिकार सूची रूप समय से संपर्क में दिए कार्यरत, झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला में दिनेक 08.03.2023 तक जमा कर सकते हैं।	
कार्यक्रम की सूची में सेना विभाग निम्न जानकारी https://gumla.nic.in या ईमेल का संपर्क है।	
दिए गए व्यक्ति-03-03-2023 तक जमा कर सकते हैं।	
PN 291853 (Jharkhand Education Project Council) 22-23 (2)	

कार्यवाहीक अभियान का कार्यक्रम	
पैदावार एवं स्वच्छता अभियान, लोहरदगा	
e-mail ID : nareshkumar@gmail.com	
सूची-1	
लोकल एवं राज्य सरकार, लोहरदगा जिला समित	
1-लोहरदगा जिला समितियों में दिए गए पत्र को ध्यान में रखकर या समय से पहले विभाग के अधिकारी से संपर्क किया में सेना अधिकारी का सारा इति वकी पूरा सूची किये के अधिकारी से संपर्क https://gumla.nic.in या अधिकारी की वेब है। एक सूची में दिए अधिकारी को कई अलग से इनके अधिकार में अधिकारियों में केंद्र है। जो वे वे अलग से इनके अधिकार सूची रूप समय से संपर्क में दिए कार्यरत, झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला में दिनेक 08.03.2023 तक जमा कर सकते हैं।	
कार्यक्रम की सूची में सेना विभाग निम्न जानकारी https://gumla.nic.in या ईमेल का संपर्क है।	
दिए गए व्यक्ति-03-03-2023 तक जमा कर सकते हैं।	
PN 291853 (Jharkhand Education Project Council) 22-23 (2)	

Office of the Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Ramgarh (Development Section)	
Tender Notice	
NOTICE FOR INVITING REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) FOR SELECTION OF AGENCY FOR THE ESTABLISHMENT AND RUNNING OF PLANNING AND MONITORING UNIT (PMU) FOR INCREASING EFFICIENCY AND EFFECTIVENESS OF DISTRICT MINERAL FOUNDATION (DMF) TRUST, RAMGARH RFP No: 06/2022-23 Ramgarh, District: 03-03-2023	
The District Administration Ramgarh inviting RFP for Selection of Agency for The Establishment and Running of Planning and Monitoring Unit (PMU) for Increasing Efficiency and Effectiveness of District Mineral Foundation (DMF) Trust, Ramgarh. The document can be downloaded from the website: http://ramgarh.nic.in . Response to this Request for Proposal (RFP) shall be deemed to have been done after careful study and examination of this document with full understanding of its implications. The bids are to be submitted by post (Registered, Speed) or by hand as per the format specified in this RFP at the following address latest by 05:00 PM on 17-03-2023	
Address for communication & Submission of documents (Development Section, Ramgarh, "B Block", 1st Floor, Collectorate Ramgarh, Chhatraunda, Ramgarh, 825401) Phone: 06653-261138, Email: vikas@chhatraunda.ramgarh.nic.in	
The RFP would be opened in office of the Deputy Commissioner (DC) Office, "A Block", 1st Floor, Collectorate Ramgarh, Chhatraunda, Ramgarh, 825401 on 16-03-2023 at 02:00 PM in the presence of bidders who choose to be present and supporting documents are to be:	
RS/- समूहगत	
PN NO.291766 (District)22-23 (2) —PN—2022, DMFT, Ramgarh.	

रांची: राज्य के विभिन्न जिलों में अभियान उड़ान के तहत संचालित होने वाले हवाई अड्डों के सुरक्षा के लिये राज्य पुलिस के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिस्क्वोरिटी(बीसीएएस) के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण कराये जाने के लिये एविएशन सिस्क्वोरिटी ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (एसीटीआई) का गठन अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार, रांची में किया गया है।

इस संदर्भ में प्रशिक्षण निदेशालय, झारखंड रांची के द्वारा बीसीएएस, रिजनल ऑफिस, रांची से समन्वय स्थापित कर बीकारो देवघर एवं जमशेदपुर हवाई अड्डा सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था डिब्यूटी में प्रतिनिधित्व को किये जाने वाली पुलिस पदाधिकारियों / कर्मियों का चयन कर अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार, राँची में एविएशन

सिक्युरिटी से संबंधित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 27 फरवरी 2023 से 03 मार्च 2023 तक आईटीएस रांची में आयोजित किया गया। शुक्रवार को अनुराग गुप्ता, भापुसे, डीजी (प्रशिक्षण), अशोक लकड़ा, क्षेत्रीय निदेशक, आरओ, बीसीएएस राँची एवं पुलिस अधीक्षक, आईटीएस, धनजय कुमार सिंह, भापुसे, के गरिमायय उपस्थिति तथा मार्गदर्शन में उक्त प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र का विधिवत समापन किया गया। जिसमें अनुराग गुप्ता द्वारा वायु परिवहन को सुचारू एवं सुरक्षित ढंग से चलाने के लिए आवश्यक मापदण्डों एवं मानकों से संबंधित महत्त्वपूर्ण टिप्स प्रशिक्षणार्थियों को दिया गया। इस अवसर उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में आप जितने भी प्रतिभागी शामिल हुच है वे अपनी-अपनी इच्छा से शामिल हुए



है तथा उनके द्वारा बताया गया कि पुलिस विभाग सरकार का चेहरा होता है, अतः हवाई अड्डे पर आपकी वर्दी, आपका व्यवहार, आपकी कुशल वाकपटुता, अनुशासन और कठिन परिश्रम ही सरकार को छवि को गणमान्य और विदेशी नागरिकों के बीच अच्छे ढंग से प्रस्तुत करेगा। इसलिए आप जब तक हवाई अड्डे पर कार्यरत रहेंगे

तबतक आपके जिम्मेवारी सबसे अधिक होगी। इस प्रशिक्षण में बीकारो देवघर और जमशेदपुर हवाई अड्डा सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था डिब्यूटी में प्रतिनि्युक्त किये जाने वाले पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों का चयन कर दो बैच में कुल 82 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों (पुलिस पदाधिकारी-08. एवं पुलिसकर्मों -

74) को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में बीसीएएस द्वारा प्राधिकृत किये गये विस्तारा एयरलाईस और एयर एशिया के कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को हवाई अड्डा सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं और विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को राँची हवाई अड्डा ले जाकर व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

यदि किसी चीज को करने का निर्णय ले चुके हों, तो उससे कभी पीछे ना हटें।

सूर्योदय-सूर्यास्त

उदय : 06:08 प्रातः

अस्त : 05:53 संध्या

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	34.0	18.0
जमशेदपुर	37.0	19.0
हजारीबाग	34.0	18.0
डालटनगंज	37.0	17.0

झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने पेश किया वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट, शिक्षा व इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

ग्रामीण विकास से राज्य को समृद्ध करेगी सरकार

रांची। झारखंड विधानसभा में शुक्रवार को वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने 1,16,418 करोड़ का बजट पेश किया। अपने बजट भाषण में उन्होंने इस बात को बताया कि इस बार के बजट में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की कोशिश की गयी है। वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि सरकार ने लगभग हर क्षेत्र को बजट आवंटित किया है लेकिन सरकार का जोर स्थापना से ज्यादा योजनाओं पर है। राज्य सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर कृषि तक को फोकस करते हुए योजनाएं लागू करने को लेकर बजट फोकस किया है। इसके तहत सिंचाई व्यवस्था और जल संरक्षण के लिए पांच एकड़ से कम क्षेत्र वाले तालाबों का मशीन से गाद हटाने और डीप बोरिंग कराने पर 500 करोड़ रुपये खर्च करने पर जोर दिया गया है। वहीं सौर ऊर्जा आधारित माइक्रोलिफ्ट इरिगेशन के लिए कृषि समृद्धि योजना लागू की जाएगी। कृषि क्षेत्र में पेस्टीसाइड तथा फटीलाईजर का उपयोग कम करते हुए जैविक खेती के प्रमोशन के लिए फसल सुरक्षा कार्यक्रम शुरू की जाएगी। ये योजनाएं बताती हैं कि 2023-24 का वर्ष योजनाओं के क्रियान्वयन का होगा।

तीन सालों में राज्य की स्थिति मजबूत हुई है

बजट पेश करने के दौरान अब तक की स्थिति विकास दर का जिक्र भी रामेश्वर उरांव ने किया। योजना की राशि में तीन गुना वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। तीन सालों में राज्य की स्थिति मजबूत हुई है। राज्यस् आय में सरकार ने वृद्धि की है। वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने चौथी बार

दैनिक navpradesh					
प्रदेश के साथ पूरा देरा...					
अंदर के पृष्ठों पर ❖❖	3 राजधानी	5 झारखंड	6 अभिव्यक्ति	7 झारखंड	
रांची, शनिवार, 04 मार्च 2023, फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत-2079 वर्ष-08 अंक-314 पृष्ठ-12, मूल्य - ३ रुपये	रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित				

झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने पेश किया वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट, शिक्षा व इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

ग्रामीण विकास से राज्य को समृद्ध करेगी सरकार



बजट खास

- टीवीएनएल को आवंटित कोल ब्लॉक राजवार माइनर को प्रारंभ किया जाएगा।
- चांडिल में भी पीपीपी मोड पर फ्लोटिंग सोलार प्लांट बनाने का प्रस्ताव।
- बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान करने के लिए 2300 करोड़ रुपये का बजट।
- उद्योग विभाग का 474.50 करोड़ रुपये का बजट
- नए औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण का प्रस्ताव।
- नई सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र पॉलिसी लागू करने का प्रस्ताव।
- नई खाद्य प्रसंस्करण नीति गठित करने का प्रस्ताव।
- नगर विकास एवं आवास विभाग का 3346.37 करोड़ रुपये का बजट
- झारखंड म्युनिसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत लोहरदगा, गुमला, कपाली नगर निगम में शहरी जलापूर्ति योजना निर्माण करने का प्रस्ताव।
- एशियन विकास बैंक द्वारा संपोषित योजना जैसे झुमरीतलैया शहरी जलापूर्ति योजना, मेदिनीनगर शहरी जलापूर्ति योजना एवं रांची इंटेक वर्क्स का

- निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।
- अमृत दो योजना के तहत रामगढ़ जलापूर्ति योजना, सिमडेगा शहरी जलापूर्ति योजना तथा 45 तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य का प्रस्ताव।
- राज्य में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू है भविष्य में ओ पी एस का आर्थिक बोझ राजकोष पर ना पड़े इसके लिए 700 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव।
- राज्य में वित्तीय प्रबंधन को पारदर्शिता बनाने के लिए डैशबोर्ड निर्माण वित्त विभाग करेगी।

योजना एवं विकास विभाग

- आउटकम बजट के लिए 43.411 करोड़ का प्रावधान- 13 विभागों के 238 राज्य और केन्द्रीय योजना का खर्च के साथ योजनाओं की प्रगति सदन के पटल पर रखा जाता है।
- योजनाओं का क्रिटिकल गैर पूरा करने के मकसद से 341. 69 करोड़ का बजट प्रस्तावित।
- गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग 9158.25 करोड़ बजट प्रस्तावित।

विधानसभा में बजट पेश किया। यह भी एक रिकॉर्ड है। इससे पहले सबसे ज्यादा बजट पेश करने का रिकार्ड पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के पास था। उन्होंने पिछली सरकार में लगातार पांच बार बजट पेश किया था।

इजहार अंसारी के हजारीबाग स्थित ठिकाने पर ईडी का छापा

तीन करोड़ रु. नगद बरामद

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को हजारीबाग निवासी मोहम्मद इजहार अंसारी के आवास पर छापेमारी के दौरान आईएएस पूजा सिंघल से जुड़े तीन करोड़ रुपये जब्त किए। अंसारी कहकशा समूह की कंपनियों को निर्यात करते हैं। ईडी रांची के हरपू स्थित ब्लू सिप्रा अपार्टमेंट, रामगढ़ और हजारीबाग के कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि अंसारी तत्कालीन खनन विभाग पूजा सिंघल की ओर से कट मनी को इकट्ठा और प्रबंधित करते थे। पूजा को मनरेगा घोटाले के सिलसिले में उन्हें पिछले साल मई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। वह सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अस्थायी जमानत पर हैं। यह छापेमारी कैप्टिव कोयला खपत मामले में विसंगतियों की जांच के लिए की गई थी। इस संबंध में



झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) के पूर्व कोयला एवं बालू प्रभारी अशोक कुमार सिंह के खिलाफ भी छापेमारी की गई।

छापेमारी से पूजा सिंघल की पेशानी बढ सकती है। क्योंकि, वह जेएसएमडीसी के प्रबंध निदेशक के पद पर काबिज थीं।

अशोक कुमार सिंह पूजा सिंघल का नजदीकी बताए जाते हैं। सूत्रों ने बताया कि पूजा सिंघल जेएसएमडीसी के रियायती कोल का फर्जी आवंटन करती थीं। फिर आवंटित कोयले की तस्करी होती थी। इजहार के नाम पर 12 से अधिक शेल कंपनियां बताई जा रही है।



रांची। मॉडिम संगीत, पक्षियों की चहचहाहट, पतरातु डैम के किनारे बना रिजॉर्ट शुक्रवार को विदेशी मेहमानों की मेहमाननवाजी में व्यस्त था। जी 20 सम्मेलन में शिरकत करने आए मेहमान भी झारखंड के रमणीय वातावरण के कायल हो गए। कुछ मेहमान पलाश के वृक्षों को निहार रहे थे, तो कुछ डैम में बोटिंग का आनंद लेते दिखाई दिए। रिजॉर्ट में मेहमानों का स्वागत झारखंड की संस्कृति और परम्परा के अनुरूप किया गया। ढोल, नगाड़े की थाप पर नृत्य करते झारखंड के कलाकारों ने प्रतिनिधियों का मन मोह लिया।

रश्मि शुक्ला बनी एसएसबी की महानिदेशक



नई दिल्ली। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की महानिदेशक रश्मि शुक्ला बनीं। इससे पहले भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक आनीश दयाल सिंह एसएसबी का कार्य देख रहे थे। दिल्ली एसएसबी मुख्यालय ने शुक्रवार जानकारी देते हुए बताया कि रश्मि शुक्ला ने आज एसएसबी पदभार ग्रहण किया। रश्मि शुक्ला ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से भूगोल में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है तथा वह भारतीय पुलिस सेवा के 1988 बैच के महाराष्ट्र कैडर की अधिकारी हैं।



की। वही खादी ग्राम उद्योग के स्टॉल पर भी मेहमानों ने जाकर उनके प्रोडक्ट के बारे में जानकारी ली।

झारखंडी वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी

विदेशी मेहमानों के लिए सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रहे झारखंड की संस्कृति और संगीत से जुड़े वाद्य यंत्र। झारखंड की संस्कृति और संगीत से जुड़े वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। विदेशी डेलिगेट्स ने वाद्ययंत्रों के प्रति गहरी रुचि दिखाई और उनके विषय में जानकारी प्राप्त की।

भाजपा विधायक का बेटा 40 लाख की रिश्तत लेते धराया

नई दिल्ली : कर्नाटक में लोकायुक्त की एंटी करप्शन विंग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। यहां भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को 40 लाख रुपये की रिश्तत लेते हुए गिरफ्तार किया है। विधायक के बेटे प्रशांत मदल को लोकायुक्त अधिकारियों ने उसके कार्यालय से रिश्तत लेते हुए पकड़ा। करप्शन विंग को भाजपा विधायक के कार्यालय से 1.7 और घर से करीब छह करोड़ रुपये बरामद हुए हैं।

लोकायुक्त को रिश्तत मांगने की शिकायत मिली थी। लोकायुक्त की इस कार्रवाई के बाद मदल विरुपक्षप्पा ने कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इसी तरह की एक घटना में मध्य प्रदेश लोकायुक्त की एक टीम ने 24 फरवरी को ग्वालियर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम में तैनात एक क्लर्क को 5000 रुपये की रिश्तत लेते हुए री

हाथों पकड़ा था। आरोपी क्लर्क की पहचान शुभम गुप्ता के रूप में हुई थी। वह एमपीईबी (मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड) में तैनात एक महिला सचिवा कर्मचारी से उसके मातृत्व अवकाश के पैसे जारी करने के एवज में 5,000 रुपये की रिश्तत मांग रहा था। लोकायुक्त पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राघवेंद्र ऋषिेश्वर ने कहा, एक महिला की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई।



कदाचारमुक्त परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु प्रॉपर तरीके से कराएं फ्रिक्सिंग : जिलाधिकारी

नवप्रदेश प्रतिनिधि/बेतिया। तृतीय स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के सफल, स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त आयोजन के निमित्त आज जिलाधिकारी, श्री कुंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षात्मक बैठक की गई। समीक्षात्मक बैठक में सभी संबंधित केंद्राधीक्षक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, उड़नदस्ता मजिस्ट्रेट, प्रेक्षक, महिला मजिस्ट्रेट, नियंत्रण कक्ष, रिजर्व मजिस्ट्रेट, नोडल पदाधिकारी, सहायक नोडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी, बेतिया, सिविल सर्जन, एसटीओ, बेतिया, कार्यालक अभियंता, पीएचईडी, विद्युत एवं नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी द्वारा सभी को सख्त निर्देश



दिया गया कि बिहार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराना है। किसी भी तरह की कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। छोटी सी भी चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कदाचारमुक्त परीक्षा हेतु फ्रिक्सिंग अच्छे तरीके से कराना सुनिश्चित करेंगे। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाय। प्रत्येक परीक्षार्थी की अच्छे तरीके से फ्रिक्सिंग की जाय। महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग

फ्रिक्सिंग की व्यवस्था की जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्र के अंदर किसी भी सूरत में मोबाईल नहीं जाना चाहिए। इस हेतु विशेष सतकर्ता बरतने की आवश्यकता है। केन्द्राधीक्षक यह सर्टिफिकेट भी देंगे कि उनके परीक्षा केन्द्रों में किसी के द्वारा मोबाईल फोन नहीं लाया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी केन्द्राधीक्षक एवं प्रशासनिक तथा पुलिस पदाधिकारी द्वारा पूर्व की परीक्षाओं को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया है। तृतीय स्नातक स्तरीय संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण है।

सभी केन्द्राधीक्षक सहित अन्य अधिकारी, पुलिस अधिकारी तृतीय स्नातक स्तरीय संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को पूर्ण स्वच्छ, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त रौशनी, घड़ी, शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। साथ ही शहर के फोटोकॉपी की दुकानों, कोचिंग संस्थाओं, छात्रावासों का निरीक्षण भी करना सुनिश्चित किया जाय। अभ्यर्थी अपने साथ सिर्फ प्रवेश-पत्र, फोटो पहचान पत्र एवं निर्धारित तीन पुस्तकें (सामान्य अध्ययन खंड, गणित खंड तथा सामान्य विज्ञान खंड) ले जा सकते हैं। किसी विषय से संबंधित गाईड,

पुस्तक की फोटोकॉपी, हस्तलिखित कागज, नोट्स, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि परीक्षा भवन में नहीं ले जा सकते हैं। परीक्षा के समय पुस्तकों का आदान-प्रदान पूर्णतया वर्जित है। अभ्यर्थी के पुस्तक में रोल नंबर एवं नाम के अतिरिक्त कुछ भी अलग से लिखा जाये जाने की स्थिति में अथवा टेक्स्ट बुक के अतिरिक्त अन्य सामग्रियां ले जाते हैं, तो संबंधित अभ्यर्थी का अभ्यर्थित्व रद्द करते हुए विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी। अभ्यर्थी के पास पेन, पेसिंग, क्वाइटनर, कैलकुलेटर, स्लाइड रूल, लॉग टेबल, ग्राफ पेपर, चार्ट पेपर या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यानी मोबाईल फोन, ब्लूटूथ, पेजर, पहनने योग्य डिवाइस, स्मार्ट फोन, घड़ी, ईयर फोन, कॉर्डलेस डिवाइस आदि नहीं होना चाहिए।

दिल्ली में 16 मार्च को वरिष्ठ नागरिकों का विशाल प्रदर्शन को ले हुई बैठक

नवप्रदेश प्रतिनिधि/सासाराम।

राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक संघ के आवासीय कार्यालय सासाराम में शुक्रवार को जिलाध्यक्ष सुप्रिय प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे दिल्ली जंतर मंतर पर आगामी 16 मार्च को होनेवाली विशाल प्रदर्शन की तैयारी की समीक्षा की गई। बैठक कर रहे लोगों ने कहा कि भारत सरकार और राज्यों के गलत नीतियों के कारण दिल्ली, गोवा और हरियाणा में प्रतिमाह 2500 रू पेंशन और बाकी राज्यों में बिहार को छोड़कर 1000 रु वृद्ध पेंशन का भुगतान पर गंभीर चिन्तन किया



गया। बिहार राज्य ने तो सभी राज्यों को कान काटते हुए मात्र 400 रु वृद्धा पेंशन दिया जा रहा है। जो बहुत ही दुःखद और शोषणवादी नीति है। भारत सरकार के लापरवाही के कारण वरिष्ठ नागरिकों को रेल बी में मिलने वाले

40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत के छूट को भी समाप्त कर दिया गया, जिसके कारण वरिष्ठ नागरिकों को काफी कष्ट झेलना पर रहा है। अब रेल यात्रा में चलना भी वरिष्ठ नागरिकों को चलना दुभर हो गया है। अनलोगन ने कहा की आज

वरिष्ठ नागरिक संपूर्ण भारत में दर्द का दंश झेलने को मजबूर है और भारत सरकार मूक दर्शक बनी हुई है। बैठक में जानकारी दी गई की भारत के सभी राज्यों से वरिष्ठ नागरिकों का जल्था 15 मार्च को ट्रेन द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगा जिसमे अधिक से अधिक संख्या में वरिष्ठ नागरिकों को दिल्ली रेली में कुच करने की अपील की गई। बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव रामायण पांडेय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यनारायण स्वामी, केंद्रीय उप कोषाध्यक्ष सुर्व नाथ सिंह, जगदीपन सिंह, वरिष्ठ नागरिक सदस्य जय प्रकाश पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जीविका सामुदायिक पुस्तकालय सह कैरियर विकास केन्द्र की हुई स्थापना



नवप्रदेश प्रतिनिधि/बिक्रमगंज/ प्रखंड के घुसिया खुर्द ग्राम में मंगलम जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति के द्वारा सामुदायिक पुस्तकालय सह कैरियर विकास केंद्र की स्थापना की गई। जिसका उद्घाटन समिति अध्यक्ष धर्माशिला देवी, मनरेगा पीओ गिरेन्द्र कुमार सिंह, जीविका प्रबंधक उत्पल कान्त एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक विजय चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गयो इस अवसर पर जीविका प्रखंड परियोजना प्रबंधक विजय चौधरी ने कहा कि पुस्तकालय से ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को आगे की शिक्षा पूरी करने में लाभ मिलेगा। करियर संबंधी विषयों की भी जानकारी मिलेगी। भौतिक अध्ययन कक्ष के साथ यहाँ पर डिजिटल कक्ष की व्यवस्था की गई है जहाँ प्रोजेक्टर एवं टेबलेट के माध्यम से शिक्षण की सुविधा भी मिलेगी। जीविका जिला से आये प्रबंधक श्री उत्पल कान्त ने कहा कि जीविका अन्तर्गत बिहार राज्य में सौ प्रखंडो का चयन इस केंद्र के स्थापना हेतु किया गया है जिसमें से रोहतास जिले के चार प्रखंड शामिल हैं। बिक्रमगंज में उद्घाटित यह केंद्र रोहतास जिला का पहला सामुदायिक पुस्तकालय सह कैरियर विकास केंद्र है। अन्य प्रखंडों डेहरी, रोहतास एवं नासरीगंज में शीघ्र ही स्थापित किया जाना है। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीण

क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं को महँगी किताब एवं विभिन्न शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराते हुए गरीबी से बाहर निकलने का प्रयास किया जाएगा। मंगलम जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की अध्यक्ष धर्माशिला देवी ने कहा कि यह केंद्र अधिका, सामाजिक एवं निजी कारणों से पढाई छूट जाने वाले गरीब विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। खासकर गाँव की लड़कियों एवं समूह से जुड़ी महिलाओं को दुरस्त शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेकर अधूरी शिक्षा पूरी करने में भी सहायता मिलेगी। उद्घाटन कार्यक्रम में घुसिया खुर्द के कई विद्यार्थी, उनके अभिभावक, जीविका प्रखंड कार्यालय के कर्मी मंजीत कुमार, नरेन्द्र कुमार, अभिषेक कुमार, रविशंकर प्रसाद, गुंडिया कुमारी, आरती कुमारी, तीजा कुमारी, नीतू कुमारी, केंद्र की विद्या दीदी नेहा कुमारी तथा समिति से जुड़ी जीविका दीर्घायों उपस्थित हुए। कार्यक्रम में लोगों का काफी उत्साह दिखा जिसमें विशेष करके उपस्थित विद्यार्थियों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें उनके ही गाँव में अब आसानी से मुफ्त में बैठकर पढ़ने की सुविधा मिलेगी तथा करियर विकास संबंधित जानकारीयों भी प्राप्त होगी।



विकास मित्रों को दिया गया प्रशिक्षण

नवप्रदेश प्रतिनिधि/संखौली. प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को जिला अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के निश्चिन्सा, संखौली व रजपुर प्रखंड के विकास मित्रों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम पाली में विभिन्न विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागीय योजनाओं के बारे में विकास मित्रों को जानकारी दी गई. द्वितीय पाली में मास्टर ट्रेनर चंदन कुमार भारती, विकास मित्र विश्वकर्मा प्रसाद द्वारा रजिस्टर वर्जन टूटे बारे में विकास मित्रों को प्रशिक्षण देते हुए विधिवत जानकारीयां दिया. प्रशिक्षण उपस्थित विकास मित्रों को अहम जानकारी देते हुए जिला कल्याण पदाधिकारी दिनेश कुमार ने एससी, एसटी व केलेफेयर डिपॉजिट के बारे में विस्तार से जानकारीयां दिया. प्रशिक्षण में संखौली से छः व रजपुर प्रखंड से आठ विकास मित्रों को प्रशिक्षण देने के समय सभागार में वरीय पदाधिकारी संखौली सह उा निर्वाचन पदाधिकारी गेहतास, वरीय प्रभारी पदाधिकारी रजपुर सह जिला कल्याण पदाधिकारी गेहतास, प्रखंड विकास पदाधिकारी संखौली व रजपुर (प्रभार) अंचलाधिकारी शिवू, प्रखंड पंचायत रज पदाधिकारी, डीपीआरओ रंजना कुमारी, एलएस ज्योति कुमारी, सच्चिदानंद साह, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रजपुर व संखौली, प्रबर्षिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी सुधीर कुमार सहित दोनों प्रखंडों के प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित थे. प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सैवद सफरजुद्दीन अहमद ने किया जबकि समन्वक की भूमिका सत्यजीत कुमार भगत प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ने निभाया.

चिराग पासवान का पूरे देश में लोकप्रियता बढ़ रही है: जय राम पासवान

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी/नागालैंड में लोजपा के दो प्रतियाशिियों की जीत की खुशी में प्रदेश युवा महासचिव जय राम पासवान के नेतृत्व में हनुमान मानस मंदिर डेहरी के पास मिठाईयां बांटी गई। लोजपा (रा.) के कार्यकर्ताओं ने डेहरी के हनुमान मंदिर से विजय जुलूस निकाल कर डेहरी बाजार होते हुए थाना चौक तक पहुंचा कर मिठाईयां बांटी गई । जहां लोजपा कार्यकर्ताओं में काफी हर्ष देखने को मिला। लोजपा नेता जय राम पासवान ने कहा इसी तरह से बिहार तथा अन्य राज्यों में अगले लोकसभा,विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी सभी सीटों पर विजयी होगी। हमारे नेता लोजपा रा के राष्ट्रीय



अध्यक्ष चिराग पासवान को पूरे देश में लोकप्रियता बड़ रही है तथा आने वाले दिनों में पार्टी का बेहतर प्रदर्शन होगा। मौके पर जिला अध्यक्ष बिनोद सिंह, प्रदेश महासचिव बसन्त प्रभारी,नीतीश पासवान प्रदेश युवा महासचिव,जयराम पासवान जिला महासचिव,रवि शर्मा राजा राम पासवान जिला उपाध्यक्ष,धर्मेन्द्र पासवान प्रधान महासचिव,बिहू यादव, बंटी पटेल,पिंटू यादव,अनूप पासवान,षिंस पांडे,सोनू पासवान,साधु चौधरी, अनुज पासवान,उमा शंकर प्रसाद, कृष्णा सिंह राजपूत आकाश पासवान, सहित काफी संख्या में लोजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

नाबालिक बच्चों से शिक्षक करावते हैं रसोई का कार्य

नवप्रदेश प्रतिनिधि/बेलदौर। प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय कुम्भरीली में छात्र छात्राओं से विद्यालय के शिक्षक के द्वारा मध्यान भोजन का जलावन ढुलवाया जा रहा था।उक्त मामला मध्य विद्यालय कुम्भरीली का बताया जा रहा है। मालूम हो कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक ललन राम के द्वारा विद्यालय के बच्चों का पढ़ाई बाधित कर रशोई का कार्य करवाया जाता है उनसे लकड़ी ढुलवाते हैं जब उक्त बात की जानकारी मीडिया के टीम लिया तो उन्होंने बताया कि थोड़ा सा काम था इसलिए अपने छात्र छात्राओं से ही करवा रहा हूं। उक्त मामले में जब पत्रकार के टीम द्वारा पुछताछ किया तो छात्र-छात्राओं ने बताया कि हमलोगों को विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा जलावन ढोने के लिए कहा गया है। उक्त मामले में विद्यालय में कार्यरत रसोइया ने भी बताई कि प्रधानाध्यापकों के द्वारा छात्र-छात्राओं से जलावन ढुलवाया जा रहा है। उक्त विद्यालय में शिक्षक के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति करीब 120 था लेकिन उक्त विद्यालय में मध्यान भोजन करीब 250 छात्र-छात्राओं का बनाया गया। उक्त विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कहा कि विद्यालय में प्रधानाध्यापकों के द्वारा ना ही फल और ना ही पकौडा दिया जाता है। उक्त विद्यालय में जबकि 6 शिक्षक शिक्षिकाएं पदस्थापित हैं जिसमें एक शिक्षक एवं एक शिक्षिकाएं विद्यालय से अनुपस्थित थे। जिसमें तेज नारायण राम एवं सहायक शिक्षका रूबी कुमारी विद्यालय से फरार चल रही थी। मालूम हो कि प्राथमिक विद्यालय बोबील में भी 4 शिक्षक पदस्थापित हैं। जिसमें प्रधानाध्यापक एवं एक शिक्षक भूषण कुमार एवं टोला सेवक उक्त विद्यालय से दोपहर 12 बजे गायब थे पुछने पर बताया कि फल लाने के लिए बजार गया हुआ है।वहीं प्रधानाध्यापकों की मानें तो जब से टोला सेवक की पत्नी पंचायत समिति सदस्य बनी है तब से उक्त टोला सेवक विद्यालय नहीं आते हैं वह नेता गिरी करने में व्यस्त रहते हैं। उक्त विद्यालय में छात्र-छात्राओं की संख्या 148 बताया जा रहा है। जिसमें शुक्रवार को छात्र-छात्राओं की उपस्थिति मात्र 72 देखा गया। उक्त मामले में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरुण कुमार यादव ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। जांचो उपरांत शिक्षक एवं शिक्षिकाएं पर कार्यवाही की जाएगी, एवं बच्चों से विद्यालय का कर्म ब्यो करवाया जा रहा है इसकी भी जांच होगी।

कृमि दिवस पर एलबैंडजोल खिलाने को ले दिया गया

जिला स्तरीय प्रशिक्षण

नवप्रदेश प्रतिनिधि/सासाराम।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को सदर अस्पताल स्थित जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी प्रशिक्षण में प्रतिभागी के रूप में उपस्थित हुए। वहीं जिले के सभी प्रखंड से प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सीडीपीओ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक को मास्टर ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सभी मास्टर ट्रेनर अपने अपने प्रखंड में प्रखंड स्तर पर एएनएम, आशा, आंगनवाड़ी सेविका तथा बीआरसी एवं सी आरसी को प्रशिक्षित करेंगे। ज़िला स्तर से प्रशिक्षण का प्रशिक्षण ज़िला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ आर के पी साहू एवं यूनिसेफ के एस एम सी असजद एकबाल सागर के द्वारा दिया गया। उक्त प्रशक्षण में ज़िला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी अमित कुमार एवं ज़िला योजना समन्वयक संजीव मधुकर भी उपस्थित थे। बता दें की राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आगामी 16 मार्च को सभी विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र के पंजीकृत बच्चों को एलबैंडजोल की गोली खिलाई जाएगी, तथा गैर पंजीकृत बच्चों को मोप उप राउंड के दौरान 20 मार्च को घर घर जा कर कृमि नाशक दवा दी जाएगी। यह दवा 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोर किशोरी की खिलाई जाएगी।

विधानसभा चुनाव में भाजपा का भारत में फिर खिला कमल : डॉ0 मनीष

नवप्रदेश प्रतिनिधि/बिक्रमगंज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने के नेतृव में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस जीत पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए बिहार भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ॰ मनीष रंजन ने भाजपा कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी है। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्य की जनता के प्रति भी आभार जताते हुए कहा कि देश की जनता ने अपना मूढ़ बदलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास के नाम पर वोट देने का कार्य किया है। साथ ही साथ नागालैंड में नेशनलिट्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने के लिए भी राज्य की सभी जनता को बधाई दिया। भाजपा नेता डॉ॰ मनीष ने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की विकास पथ पर कार्य कर रही है। जिसका देश की जनता ने जवाब देते हुए त्रिपुरा और नागालैंड विधानसभा चुनाव में भाजपा के समर्थन में वोट देते हुए विपक्षी दल को करास जबाब देने का कार्य किया है। जो आगामी होने वाली लोकसभा चुनाव से पूर्व ही देश की जनता ने अपनी सोच जाहिर करते हुए बिगुल फूंंक दिया है। उन्होंने भाजपा का समर्थन करने वाले देश के सभी लोगों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार में अब विकास बहार बहेगी। ज्ञात हो कि नागालैंड में सत्तारूढ़ रेशनलिट्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन ने 33 सीटें जीतकर 60 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत हासिल हुआ था। एनडीपीपी ने 21 सीटें जीती हैं जबकि भाजपा ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की है। एनडीपीपी और भाजपा ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। एनडीपीपी ने 40 और भाजपा ने 20 सीट पर प्रत्याशी चुनावी मैदान उतारे थे।

होली व शब -ए-बारात पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई



नवप्रदेश प्रतिनिधि/सूर्यपुरा आपसी भाई चारे व रंगो का त्योहार होली व शब -ए-बारात पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर सूर्यपुरा थाना परिसर में बीडीओ वीणापाणि की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित। बैठक में उपस्थित थान प्रतिनिधियों,सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा आम नागरिको से अपील करते हुए धनाध्यक्ष सुसंत कुमार ने कहा कि होली पर्व को भाई चारे व शब ए बारात पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने की बात कही। उसके पश्चात क्षेत्र के विभिन्न गाँवों में होलिका दहन के वक्त विशेष ध्यान रखने का भी अपील किया किया। वहीं बीडीओ वीनापाणी ने कहा कि होली में डीजे पर अश्लील गाना बजाने के साथ ही असामाजिक तत्व पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। कोई भी गलत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। दोनो पर्व को आपसी भाईचारा के साथ मनाया। बैठक में ,आरओ दिव्य प्रकाश ,सुनील प्रसाद,मुखिया प्रमोद कुमार शिखराभा भगत मो शमीम अजाय सिन्हा सीता राम सिंह सुदामा पांडेय रावेश यादव विजय गुप्ता ,अं एस आलम सहित शशिंसिंह पिंटू सिंह हीरालाल सिंह मुन्नु चंद्रवंशी के साथ ही कई लोग उपस्थित थे।

चिराग बिहार के भविष्य: सोनू सिंह



डेहरी ओन सोन रोहतास/लोजपा रा राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी ने नागालैंड में चुनाव लड़ा जहां लोजपा के दो प्रत्याशियों की जीत हुई। पार्टी के जीत से उत्साहित लोजपा रा बक्सर के प्रभारी राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान बिहार के भविष्य हैं। उनकी लोकप्रियता

पूरे देश में बढ़ रही है साथ ही सभी वर्गों के युवा पार्टी से जुड़ रहे हैं। आने वाला समय में पार्टी का बेहतर प्रदर्शन होगा।



संपादकीय

सीएसआर पर बने नयी नीति

भारत दुनिया का इकलौता देश है, जहाँ सीएसआर यानी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिविलिटी को कानूनन अनिवार्य बनाया गया है। यह कानून व्यापारिक गतिविधियों से अर्जित धनलाभ में से कुल भाग को सामाजिक रूप से व्यवहार करने के प्रावधान करता है। 01 अप्रैल 2014 से यह कानून लागू है। आज लगभग एक दशक बाद इस कानून और इसके कार्यान्वयन के अनुभवों पर विचार करने की आवश्यकता है। यह कानून हमारे हजारों साल पुराने जीवन दर्शन को बुनियाद पर खड़ा है, जहाँ दान और परोपकार का उद्देश्य समाज के वास्तविक जरूरतमन्दों के लिए विकास और उत्कर्ष के लिए अवसरों को सुनिश्चित किया जाता रहा है। सीएसआर कानून सिर्फ भारतीय कंपनियों पर ही लागू नहीं होता है, बल्कि वह सभी विदेशी कंपनियों के पर लागू होता है जो भारत में कार्य करती हैं। कंपनियों के अनुसार, एक कंपनी को जिसका सालाना नेटवर्थ 500 करोड़ों रुपये या उसका सालाना इनकम 1000 करोड़ रुपये या उनका वार्षिक प्रॉफिट 5 करोड़ का हो तो उनको सीएसआर पर खर्च करना जरूरी होता है। यह जो खर्च होता है, उनके 3 साल के औसत लाभ का कम से कम दो प्रतिशत तो होना ही चाहिए। रुपये से 2021 की काल अवधि में इस कानून के तहत 126938 कॉर्पोरेट कंपनियों धन एकत्रित हुआ, जो निजी औद्योगिक घरानों के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से जारी किया गया। जाहिर है सवा लाख करोड़ से ज्यादा की यह रकम शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, आधारभूत विकास, पोषण, ग्रामीण विकास सामाजिक न्याय जैसे विहित क्षेत्रों में खर्च हुई है। इस धन खर्च की विशेषण और नीतिगत बदलाव की आवश्यकता इस समय इसलिए महसूस की जा रही है, क्योंकि देश में इस राशि का वितरण असमान है। तुलनात्मक रूप से ज्यादा वास्तविक जरूरतमंद क्षेत्रों के लिए इससे कोई खास फायदा नहीं मिल पा रहा है। बेशक कानून देश की विकास के व्यवहारे औद्योगिक इकाइयों के स्थानीय क्षेत्रों को प्राथमिकता देता है, लेकिन यह भी तथ्य है कि भारत में समग्र विकास की गति भौगोलिक रूप से बहुत असमान है। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, हरियाणा जैसे राज्य विकास के लगभग सभी सैकतकों पर उतार भर के अंकड़ रखे से अभी भी अग्रणी बने हुए हैं। सीएसआर की धन खर्च की अन्य दृष्टि असमान विकास को कम करने के स्थान पर बढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। अब तक वय की गई कुल सीएसआर राशि में 40 फीसदी तो केवल सात राज्यों में ही खर्च हुई है। इसमें पैन इंडिया यानी एक साथ हुए देशव्यापी आबंटनों को भी जोड़ लिया जाय तो यह आंकड़ा 60 तक जाय है। अश्वकाफिर आबंटनों के मुताबिक दिल्ली में 4023 करोड़, महाराष्ट्र 18605, गुजरात 6221, कर्नाटक 7160, तमिलनाडु 5437, आंध्र प्रदेश 5100 एवं तेलंगाना में 2500 करोड़ की राशि सीएसआर के तहत 2014 से अब तक वय की जा चुकी है। झारखंड में यह आंकड़ा 873 करोड़ तक है। सरकार को इस नीति में बदलाव करना चाहिए, ताकि इस राशि का सही जगह उपयोग हो सके।

सामयिकी

हिरण पर क्यों लादे घास

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हमारे राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बाढ़ आ रही है लेकिन जरा रुक की तरफ देखो। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को एक राजाज्ञा पर दस्तखत किए हैं, जिसके अनुसार अब रूस के सरकारी कामकाज में कोई भी रूसी अफसर अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेगा। इस राजाज्ञा में यह भी कहा गया है कि अंग्रेजी मुहावरों का प्रयोग भी वर्जित है। लेकिन जिन विदेशी भाषा के शब्दों का कोई रूसी पर्याय भी उपलब्ध नहीं है, उनका मजबूरन उपयोग किया जा सकता है। रूस ही नहीं, चीन, जर्मनी, फ्रांस, और जापान जैसे देशों में स्वभाषा की रक्षा के कई बड़े अभियान चल रहे हैं। आजकल दुनिया काफी सिकुड़ गई है। सभी देशों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति, आवामन आदि काफी बढ़ गया है। इसलिए इन क्षेत्रों से जुड़े लोगों को विदेशी भाषाओं का ज्ञान जरूरी है लेकिन भारत-जैसे अंग्रेजी के पूर्व गुलाम देशों में अंग्रेजी का वर्चस्व इतना बढ़ गया है कि स्वभाषाएं अब दिगंत रावण होती जा रही हैं। हमारे नेताओं का बौद्धिक स्तर इतना सतही है कि वे इस स्वभाषा-पतन के दूरगामी खतरों से अनभिज्ञ हैं। सभी अंग्रेजी की फिसलपट्टी पर फिसल रहे हैं। उन्हें पता ही नहीं है कि भाषा को खत्म करके आप अपनी संस्कृति और परंपरा को बचा ही नहीं सकते। भाषा बदलने से आदमी की सोच बदलने लगती है, रिश्ते बदलने लगते हैं, मौलिकता समाप्त हो जाती है। जो देश पिछले दो-तीन सौ साल में महाशक्ति और महासंपन्न बने हैं, वे अपनी भाषाओं के जरिए ही बने हैं। मैं दुनिया के पांचों महाशक्ति राष्ट्रों में रहकर उनकी भाषा नीति को निकट से देख चुका हूँ। उनमें से किसी भी राष्ट्र की पाठशालाओं में विदेशी भाषा अनिवार्य रूप से नहीं पढ़ाई जाती है। हमारे बच्चों पर सिर्फ अंग्रेजी नहीं लादी जाए। उन्हें बड़े होकर कई विदेशी भाषाएं सीखने की छूट हो लेकिन यदि प्राथमिक कक्षाओं में उन पर अंग्रेजी थोपी गई ता वह हिरण्य पर घास लादनेवाली बात हो गई। इसे सीखने में वे रूढ़ होते बन जाते हैं और उनमें हीनता ग्रंथि पनपने लगती है। महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया ने इस बात को काफी अच्छी तरह समझा था। लेकिन कैसा दुर्भाग्य है कि राजस्थान में कुम्भस की सरकार है और अशोक गहलोत जैसे संकरवाचन नेता उसके मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने उन अंग्रेजी स्कूलों का नाम महात्मा गांधी इंटरिण मॉडियम स्कूल रख दिया है। अशोक गहलोत महात्मा गांधी के इस कथन पर ध्यान दें: - यदि मैं तानाशाह होता तो आज ही विदेशी भाषा में शिक्षा देना बंद कर देता। सारे अध्यापकों को स्वदेशी भाषाएं अपनाने को मजबूर कर देता। जो आनाकानी करते, उन्हें बर्खास्त कर देता।

(लेखक, भारतीय विदेश परिषद नीति के अध्यक्ष हैं।)

(लेखक, भारतीय विदेश परिषद नीति के अध्यक्ष हैं।)



आरके सिन्हा

हमें उन अध्यापकों को प्रोत्साहित करना होगा, जो अपने शिष्यों के प्रति समर्पण का भाव रखते हैं। अध्यापकों को अपने को लगातार अपने विषय की आधुनिकतम जानकारी से अपडेट रखना होगा। आमतौर पर हमारे यहां बहुत से अध्यापक एक बार स्थायी पर लगने के बाद कभी कुछ नया लिखते-पढ़ते नहीं हैं।



समीक्षा तिवारी

इस वर्ष, उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सदियों के महीनों का तापमान रिकॉर्ड को पहले ही तोड़ चुका है। ऐसी तनावग्रस्त परिस्थितियों में, जैव विविधता पहले से ही दबाव में है। उन जानवरों की दुर्दशा की कल्पना कीजिए जिनके पास भोजन और छाया के कुछ ही स्रोत हैं।

छाया के कुछ ही स्रोत हैं।

सत्ता समर्थन' पर भारतीयों की सफलता की खबरें-कहानियां लगातार भारतीय मीडिया में सुर्खियां बनने लगी हैं। आप गौर करें कि भारतवंशी सिर्फ सियासत में ही झंडे नहीं गाड़ रहे हैं। ये तो हम 1960 के दशक से सुन रहे हैं। तब पहली बार कैरिबियाई टापू देश गुयाना में छेदी जगन राष्ट्रप्यक्ष बने थे। उनके बाद न जाने कितने भारतवंशी गुयाना, त्रिनिडाद, फिजी, मारीशस, सूरीनाम में सर्वोच्च पदों पर पहुंचे। अब ब्रिटेन में भारतवंशी और इंगोसिस कंपनी के फाउंडर चेयरमैन एन. नारायणमूर्ति के दामाद ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए। अब बात सियासत से हटकर बिजनेस की करेंगे। आप जानते हैं कि बीते बीसेक सालों के दौरान इंडिया नुई (पेप्सी), पराग अग्रवाल (टवीटर), विक्रम पंडित (सिटी बैंक), सुंदर पिचाई (गूगल), सेठ्या नेडाला (माइक्रोसॉफ्ट), शांतनु नारायण (एडोब), राजीव सूरी (नोकिया) जैसी प्रख्यात कंपनियों के भारतीय सीईओ बन गए। अब बिल्कुल हाल ही में अजय बंगा को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडे ने वर्ल्ड बैंक का अध्यक्ष मनोनीत कर दिया। बंगा की विश्व स्तर पर पहचान बात बनी थी, जब वे मास्टर कार्ड के सीईओ थे। दरअसल बिजनेस में अजय बंगा या उनके जैसे सैकड़ों भारतीय अमेरिका तथा यूरोप में अपनी सफलता की इबारत इसलिए लिख रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपने देश में बहुत ही स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिला। श्रेष्ठ शिक्षा ग्रहण करने के चलते ही लाखों भारतीयों की हर साल तकदीर बदल रही है। भारत में एक से बढ़कर एक विश्व स्तर के शिक्षण संस्थान हैं। इसलिए कम से कम यह तो मत ही कटिये कि हमारे यहां की तमाम शिक्षण संस्थाएं बकवास हैं। कुछ हो भी सकती हैं, जैसे कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन सधी नहीं। अजय बंगा को ही लें। उनका वर्ल्ड बैंक का प्रमुख बनना तय है। सबको गर्व है कि एक भारतीय मूल के शख्स को इतनी अहम जिम्मेदारी मिलने जा रही है। उन्होंने राजधानी के सेंट स्टीफंस कॉलेज तथा आईआईएम, अहमदाबाद में पढ़ाई की थी। पर जिस संस्था ने सेंट स्टीफंस कॉलेज की नींव रखी थी उसे कितने लोग जानते हैं। उसकी बात करना ही जरूरी है। इसका नाम है दिल्ली ब्रदर्स सोसायटी। इससे गांधी जी के सहयोगी और

स्वाधीनता सेनानी दीन बंधु स

जुड़े हुए थे। वे सेंट स्टीफ

अंग्रेजी पढ़ाते थे। के दक्षि

जी से 1914 में मिले थे। उ

ही गांधी जी और कस्तूरबा

12 अप्रैल-15 अप्रैल, 1915

थे थे ब्रिटिश नागरिक होते

आजादी के प्रबल पक्षधर थे

लग जाएगा कि सेंट स्टीफ

खोलने वाली संस्था का मूल

का है। उसकी भारत को लेक

है। बंगा ने इंडियन इंस्टीट्यू

(आईआईएम), अहमदाबाद

की। भारत सरकार, गुजरा

औद्योगिक क्षेत्रों के सक्रिय

स्थापन निकाय के रूप में

स्थापना हुई। चार दशकों में

प्रमुख प्रबंधन संस्थान से

अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट स्कू

विकसित हुआ है। आईआई

सारी दुनिया में छाप हुए हैं।

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के

सहयोग किथा था। इस सहय

शिक्षा के दृष्टिकोण को काफी

धीरे-धीरे, यह पूर्वी और प

सर्वोत्तम संगम के रूप में उभ

आप गौर करें कि भारत या

जाकर बड़ी कामयाबी हासि

आईआईटी में पढ़े छात्रों

अधिक है। एन. नारायणमूर्ति



स्वाधीनता सेनानी दीन बंधु सोएफ एंड्रयूज भी जुड़े हुए थे। वे सेंट स्टीफंस कॉलेज में अंग्रेजी पढ़ाते थे। वे दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी से 1914 में मिले थे। उन्हीं के प्रयासों से ही गांधी जी और कस्तूरबा गांधी पहली बार 12 अप्रैल-15 अप्रैल, 1915 को दिल्ली आए थे। वे ब्रिटिश नागरिक होते हुए भी भारत की आजादी के प्रबल पक्षधर थे। इससे अंदाजा लग जायगा कि सेंट स्टीफंस कॉलेज को खोलने वाली संस्था का मूल चरित्र किस तरह का है। उसकी भारत को लेकर निष्ठा निर्विवाद है। बंगाल में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), अहमदाबाद से भी पढ़ाई की। भारत सरकार, गुजरात सरकार और औद्योगिक क्षेत्रों के सक्रिय सहयोग से एक स्थापना निकाले के रूप में 1961 में इसकी स्थापना हुई। चार दशकों में यह भारत के प्रमुख प्रबंधन संस्थान से एक उल्लेखनीय अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट स्कूल के रूप में विकसित हुआ है। आईआईएम के विद्यार्थी सारा दुनिया में छाय हुए हैं। आईआईएम ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के साथ प्रारंभिक सहयोग किया था। इस सहयोग ने संस्थान के शिक्षा के दृष्टिकोण को काफी प्रभावित किया। धीरे-धीरे, यह पूर्वी और पश्चिमी मूल्यों के सर्वोत्तम संगम के रूप में उभरा। आप गौर करें कि भारत या भारत से बाहर जाकर बड़ी कामयाबी हासिल करने वालों में आईआईटी में पढ़े छात्रों की तादाद बहुत अधिक है। एन. नारायणमूर्ति खुद आईआईटी

कानपुर से हैं। पराग अग्रवाल पढ़े हैं आईआईटी, मुंबई में। इसने देश-दुनिया की चोटी के सीईओ से लेकर उद्योगपति दिए हैं। आप नए उद्योगों जैसे सचिन बंसल और बिन्नी बंसल की चर्चा न करें ऐसा तो नहीं हो सकता। इन दोनों ने 2007 में प्लिपकार्ट की स्थापना की थी। ये दोनों आईआईटी, दिल्ली में रहे। भारत में पहली आईआईटी की स्थापना कोलकाता के पास स्थित खड़गपुर में 1950 में हुई थी। भारत की संसद ने 15 सितंबर 1956 को आईआईटी एक्ट को मंजूरी देते हुए इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित कर दिया। इसी तर्ज पर अन्य आईआईटी मुंबई (1958), मद्रास (1959), कानपुर (1959), तथा नई दिल्ली (1961) में स्थापित हुईं। फिर गुवाहाटी में आईआईटी की स्थापना हुई। सन 2001 में रुड़की स्थित रुड़की विश्वविद्यालय को भी आईआईटी का दर्जा दिया गया। तो बहुत साफ है कि दशकों पहले भारत से संसार के विभिन्न देशों में राष्ट्रापति और प्रधानमंत्री तक बन रहे हैं। और अब भारत में ही शिक्षित नौजवान दुनिया के चोटी की कंपनियों के सीईओ बनाए जा रहे हैं। ये इसलिए हो रहा है, क्योंकि इन्हें प्रथम शिक्षा मिल रही है। पर हमें देश के समाज कालेजों को सेंट स्टीफंस, आईआईटी और आईआईएम के स्तर के बनाने के बारे में विचार करना होगा। इन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस करना होगा। पर सबसे अहम चुनौती यह रहेगी कि इन में बेहतरीन फैक्ट्री की

निवृत्ति हो। हमें उन अध्यापकों को प्रोत्साहित करना होगा, जो अपने शिक्षार्थियों के प्रति समर्पण का भाव रखते हैं। अध्यापकों को अपने को लगातार अपने विषय की आधुनिकतम जानकारी से अपडेट रखना होगा। आमतौर पर हमारे यहां बहुत से अध्यापक एक बार स्थायी रूप से लहने के बाद कभी कुछ नया लिखते-पढ़ते नहीं हैं। हमें अपने स्कूलों को भी गिरित सुधार करते रहना होगा। संतोष की बात कि दिल्ली ब्रदर्स सोसायटी अब दिल्ली-सोनीपत सीमा पर एक स्कूल स्थापित करने जा रही है। यानी कॉलेज खोलने के बाद अब स्कूल खोला जा रहा है। इसका भी लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ शिक्षा ही देना होगा जहां से जैसे मेधावी छात्र पढ़कर बेहतर नागरिक बनें। जिस संस्था का संबंध दीन बंधु सीएफ इंद्रपूज से है, वह तो श्रेष्ठ स्कूल ही खोलेंगी। दरअसल हमारे यहां कई धूर्त तत्वों ने स्कूलों को कमाई का धंधा बनाया हुआ है। उनको कसने की जरूरत है। इनका शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। पर ये जुगाड़ करके स्कूलों के लिए जमीन हथियाने में सफल रहे। उसके बाद ये लूटपाट कर रहे हैं। इसी तरह से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार ने स्कूलों में सुधार के नाम पर राजधानी वालों को बहुत टंगा है। हां, कुछ स्कूलों की इमारतें नई अवश्य बन गई हैं। इसके अलावा इनमें कहीं कोई सुधार नहीं हुआ। ये स्थिति बदलनी होगी।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

शहरों में संरक्षण की जीवन रेखा

युनिवायर में शहरीकरण तेजी से हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार 2050 तक विश्व के प्रत्येक 3 में से 2 नागरिक नगरीय क्षेत्रों में निवास करेंगे। इस शहरीकरण के कारण प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र जैसे वन क्षेत्र सिक्कुड़ रहे हैं। इन वनों के स्थान पर हमें ऊंची-ऊंची इमारतें, सड़कें और अन्य बुनियादी ढांचे की परियोजनाएँ दिखाई देती हैं। भूमि उपयोग में यह परिवर्तन पहले से ही विभिन्न प्रजातियों की संख्या में गिरावट का कारण बना है। इस विकास के बीच, शहरी हरित स्थान न केवल घटती जैव विविधता के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण साधन है बल्कि शहरवासियों के लिए प्रकृति से जुड़े रहने का आँख सामन भी है। किसी भी शहरवासियों को छत पर खड़े होकर उसके नीचे हरे रंग के क्षेत्रों को देखकर सुखद अनुभव होता है। यह हरियाली न केवल देखने में आराम देती है बल्कि ईसाओं और अनेक जीवित प्राणियों को अनेक सेवा भी देती है। परिपक्व पेड़ जल प्रवाह को नियंत्रित करते हैं और बाढ़ को रोकने में मदद करते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि पेड़ों की मदद से शहरी हरे स्थान आमतौर पर अपने परिवेश की तुलना में अधिक ठंडे होते हैं। ये पेड़ प्रवासी विलेक्रेताओं और गरीब प्रवाहन पर रहने वालों को एक ठंडी जगह भी प्रदान करते हैं।

कई पक्षियों का आश्रय हैं पेड़



और बड़े कार्यालय स्थानों में हरियाली देख सकते हैं। इन हरित स्थानों की मुख्य कार्यात्मक इकाई वृक्ष हैं। ये पेड़ आवास को परिभाषित करते हैं और किसी भी परिसर में पाई जाने वाली जैव विविधता को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, शहरी हरे स्थानों में, नारियल, आम और नीम के पेड़ कुछ पक्षियों को वृक्षकोटन के रूप में घोंसला बनाने की जगह प्रदान करते हैं, इनमें चित्तीदार उल्लू, तोते, मैना और यूरेशियन हुदुद (हूपो) जैसे पक्षी शामिल हैं। यदि हम इन निर्दिष्ट हरित स्थानों से परे देखें तो हमें सड़कों के किनारे पेड़ दिखाई देंगे। इन पेड़ों को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है, एक है राजमार्गों और बड़ी सड़कों के किनारे पाए जाने वाले पेड़ों की लंबी कतार। इनमें आमतरार पर ऊंचे यूकेलिप्टस जैसे पेड़ होते हैं। ये लाल-डब बाजा (रेड नेड

आइबिस) जैसे पक्षियों को बसेरा देने के लिए स्थान प्रदान करते हैं। वृक्षों की दूसरी श्रेणी में पुराने वृक्ष हैं जिनका फैलाव व्यापक है। एक उदाहरण बरगद का पेड़ है। एक अकेला पेड़ कई बगुले की प्रजातियों के लिए घोंसला बनाने का स्थान हो सकता है। इन प्रजातियों के दर्जनों पक्षी इन पेड़ों पर एक साथ घोंसला बनाते हैं।

बरगद, आस्था और कई प्रजातियां का जीवन

तेजी से विकासशील शहरों में जहां इमारतों और सड़कों के लिए जगह बनाने के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाते हैं, भारतीय बरगद को समृद्ध होने दिया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह पेड़ कई लोगों, विशेष रूप से हिंदुओं द्वारा पूजनीय है। इन बड़े पुराने पेड़ों के नीचे छोटे-छोटे मंदिर या पूजा स्थल पाए जाते हैं। यह पेड़ फल

आधी आबादी और समानता की आस



डा. निवेदिता शर्मा

सर्व में दो
तिहाई महिलाएं
अपने रुचि के
विषयों के बारे में
नहीं बता पाईं,
जिससे पता चलता
है कि उन पर
जिम्मेदारियां
इतनी अधिक हैं
कि उन्हें अपनी
रुचि के बारे में
सोचने का मौका
ही नहीं मिलता।
सर्व में शामिल
एक चौथाई
महिलाओं ने
बताया कि वह
अपने लिए फुरसत
के पल नहीं
निकाल पातीं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेश ने हाल ही में विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को हरसम्भव सम्पन्न देने की की घोषणा की है। निरिद्ध इससे इस क्षेत्र में महिलाओं की संख्या बढ़ेगी। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन के अनुसार, स्कूलों में लड़कियों की संख्या पहले की तुलना में कहीं अधिक है, लेकिन विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, और गणित विषयों में उनका प्रतिनिधित्व अब भी कम है। हर तीन में से केवल एक शोधकर्ता महिला है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में इनकी संख्या और भी कम है। यहां हर पांच में से केवल एक महिला ही कार्यरत है। देखा जाए तो चित्त का विषय इतना भर नहीं है कि विज्ञान अथवा तकनीक के क्षेत्र में महिलाओं के साथ न्याय नहीं हो रहा। व्यवहार में सच यही है कि जो देश स्वयं को बहुत विकसित मानते हैं, वहां भी लैंगिक समानता के आभावर हर स्तर पर है। यही कारण है कि विश्व में किसी भी स्थान की महिला क्यों न हो, वह अपकों अपने लिए सामाजिक, तकनीकी, शोध एवं रोजगार के समस्त क्षेत्रों में संघर्ष करती और सहज रास्ता खोजती दिखाई देती है।

इसे यदि भारत के संदर्भ में देखें तो श्रम बाजार में महिलाओं की स्थिति पुरुषों की तुलना में अब तक ठीक नहीं हो पाई है। हालाँकि यह स्वीकार करना होगा कि के

मे मोदी सरकार के आने के बाद जरूर नवाचारों का बड़ा परिवर्तन दिखाई दिया है। राजनीतिक तौर पर जागृति आई है और सामाजिक स्तर पर इसका लाभ यह हुआ है। बावजूद इसके वह भी स्वीकारना होगा कि जो परिवर्तन होने चाहिए वह अभी बदलाव बाकी है।

विश्व आर्थिक मंच की द ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट की पिछले साल की रिपोर्ट भी महत्वपूर्ण है। वह भी यही इशारा करती है। पुरुषों और महिलाओं के बीच श्रम भागीदारी असमानता में एक से चार प्रतिशत का अंतर सामान्यतः देखा जा सकता है। एक बारगी को शासकीय नौकरियों और निजी क्षेत्र के कुछ विशेष रोजगार स्थलों को छोड़ दिया जा तो आज भी समान कार्य का समान वेतन एक महिला होने के कारण से उसे नहीं दिया जा रहा है। एक सर्वे संपूर्ण भारत के संदर्भ में एडि स्त्री अध्ययन प्रबंधन केंद्र का भी सामने आ चुका है। यह रिपोर्ट के 29 राय्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों की 74 हजार से अधिक महिलाओं के अनुभव पर आधारित है।

इस सर्वे में सामने आया कि पचास प्रतिशत महिलाएं ही दिन में देवार भोजन कर पाती हैं। 3.73 प्रतिशत महिलाओं को दिन में एक बार ही भोजन मिलता है। 18 साल से कम की 64 प्रतिशत लड़कियों को माहवारी से जुड़ी समस्याएं हैं। दूसरे नंबर पर अर्थग्रेटिस की समस्या सामने आई। 5.28



प्रतिशत महिलाएं ब्लड प्रेशर, 3.07 प्रतिशत महिलाएं हृदय रोग, 1.62 प्रतिशत डायाबिटीज और 0.51 प्रतिशत महिलाएं कैन्सर से जूझ रही हैं। सर्व में शिक्षा का सर्वाधिक प्रतिशत ईसाई समुदाय की महिलाओं में और उसके बाद हिंदू, बौद्ध, मुस्लिम, जैन और सिख समुदाय की महिलाओं में पाया गया। सबसे अधिक जनजाति महिलाएं रोजगार से संबद्ध मिलीं। सामान्य अन्य कैटेगरी में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा पाई गई। उसमें भी जिनके पास रोजगार है तो उनकी शिकायतें अधिक हैं जैसे-बच्चों के लिए क्रेच की सुविधा उपलब्ध नहीं, कटीन, परिवहन और कार्यस्थल पर रेस्ट रूम की सुविधा नहीं, 60% से भी अधिक की लोन सुविधा नहीं।

इस सर्वे में पाया गया कि शादी और आर्थिक तंगी के कारण लड़कियों को बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। अरक्षण एससी और एसटी और ओबीसी लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मददगार है। सर्वे में दो तिहाई महिलाएँ अपने रुचि के विषयों के बारे में नहीं बता पाईं, जिसे सर्वे पता चलता है कि उन पर जिम्मेदारियाँ इतनी अधिक हैं कि उन्हें अपनी रुचि के बारे में सोचने का मौका ही नहीं मिलता। सर्वे में शामिल एक चौथाई महिलाओं ने बताया कि वह अपने लिए फुरसत के पल नहीं निकाल पातीं। इसके साथ ही इस सर्वे में कहा गया है कि अध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाएँ दूसरे क्षेत्र की महिलाओं से ज्यादा खुश हैं।

लिव इन में रहने वाली महिलाओं की तुलना

मे शशी कर घर बसाने वाली महिलाएं ज्यादा खुश हैं। १० प्रतिशत ऐसी महिलाएं, जिनके पास परिवार और रोजगार दोनों ही नहीं, वह ज्यादा खुश हैं।

इस सर्वे का निचोड़ कि पैसे का खुशियों से कोई संबंध नहीं है। वास्तव में यह रिपोर्ट भारत की समस्त स्त्री जाति के समग्र अध्ययन को लेकर है। लेकिन इसमें भी जो बात निकलकर सामने आई है वह यही है कि रोजगार के स्तर पर कार्यरत अधिकांश महिलाएं खुश नहीं हैं। वैसे कानून के स्तर पर कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण की व्यवस्था करने के उद्देश्य से श्रम कानूनों में उचित संरक्षणानुत्क प्रावधानों का समावेश किया गया है, जैसे - शिक्षा, देख-रेख, केन्द्र, शिशुओं को दुध पिलाने के लिए आवश्यक समय देना, सवेतन मातुत्व छुट्टी का १२ सप्ताह से बढ़ाकर २६ सप्ताह करना, ५० या इससे अधिक कार्मिकों वाले प्रतिष्ठानों में अनिवार्य शिशु गृह की सुविधा, रात में काम करने वाली महिलाओं के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, इत्यादि। समान पारिश्रमिक अधिनियम, १९४८ भी बिना किसी भेद-भाव के पुरुषों एवं महिलाओं पर समान रूप से लागू है। इतना ही नहीं तो देश में महिला कामगारों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं प्रादेशिक

व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों में
 आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। कार्य-
 स्थल पर महिला उपीड़न (रोकथाम),
 प्रतिषेध एवं निवारण) अधिनियम द्वारा इस
 संबंधी विविध प्रावधान किए गए हैं।
 उपीड़न शिकायत प्राप्त करने के लिए
 आंतरिक शिकायत समिति प्रत्येक जिले में
 स्थायी शिकायत समिति (एलसीसी) की
 स्थापना हुई है। महिला शक्ति केंद्र योजना
 के अंतर्गत सामुदायिक भागीदारी के माध्यम
 से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का
 कार्य किया जा रहा है। महिला हेल्पलाइन
 योजना एकल नंबर (181) के माध्यम से
 हिंसा से प्रभावित महिलाओं को 24 घंटे
 आपातकालीन एवं नरै-आपातकालीन
 सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ
 महिलाओं से संबंधित सरकारी योजनाओं
 का जानकारीयें दी जाती हैं। वन स्टॉप सेंटर
 की स्थापना प्रत्येक जिले में की गई है।
 महिला उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के
 उद्देश्य से मुद्रा योजना, स्टैंड अप योजना,
 बालू ई हाट का उपाय किया गया है।
 महिलाओं के प्रति श्रम एवं समाज के स्तर पर
 उनके प्रति भेदभाव आज भी चिंता का
 विषय है। इसे पाटने की जरूरत है। उम्मीद
 करें कि वह दिन जल्दी आए और समाज
 में समता के स्तर पर हर क्षेत्र में महिलाओं
 के साथ समान व्यवहार हो।

(लेखिका, मध्य प्रदेश राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य हैं।)

ब्लैक के बाद अब मिला दर्शकों का ऐसा प्यार : रानी

रानी मुखर्जी मैसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसने प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है। कुछ दिनों पहले इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था। यह सही कारणों से चर्चा का विषय बन गया। मैसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे का ट्रेलर मशहूर हस्तियों और फिल्म प्रेमियों को समान रूप से पसंद आया। अपनी फिल्म के ट्रेलर को मिले प्रतिसाद से रानी मुखर्जी अभिभूत हैं। उन्होंने दर्शकों द्वारा ट्रेलर को पसन्द किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मैसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे एक इमोशनल ड्रामा है, जिसका निर्देशन आशिमा चिब्वर ने किया है। रानी मुखर्जी ने कहा है कि मैसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के ट्रेलर को मिल रही प्रतिक्रिया से वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि इसने उन्हें ब्लैक (2005) के लिए मिले प्यार की याद दिला दी। रानी ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की इस प्रतिक्रिया को बड़ी विनम्रता के साथ स्वीकार करती हैं। रानी मुखर्जी ने अपने हाल ही में मीडिया को दिए बयान में कहा कि, ट्रेलर को मिली प्रतिक्रियाएं बहुत खास और अभिभूत करने वाली हैं, कम से कम कहने के लिए... मैं दुनिया भर से अपने प्रशंसकों, सोशल मीडिया पर ट्रेलर देखने वाले लोगों, मेरे प्रशंसकों खुद के उद्योग सहयोगी, दोस्त और परिवार, से मिल रहे प्यार को देखकर बहुत विनम्र हूं। उन्होंने कहा, मेरे पूरे करियर में, यह शायद पहली बार है जब मैं अपने काम के लिए इस तरह का प्यार और इस तरह की भावनाएं देख रही हूं! आखिरी बार मुझे याद है कि यह ब्लैक के दौरान हुआ था! किसी ट्रेलर के लिए ऐसी सर्वसम्मत् प्रतिक्रिया हमें बहुत कम देखने को मिलती है। किसी फिल्म का ट्रे देखकर लोगों की आंखों में आंसू आना और रोना फिर कभी नहीं सुना गया। मैसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे एक इमोशनल ड्रामा है, जो एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने के लिए पूरे देश से भिड़ जाती है। फिल्म की कास्ट रानी मुखर्जी, अनिरुध्न भट्टाचार्य और जिम सार्थ द्वारा सुर्खियों में है। यह 17 मार्च को सिनेमाघरों में पहुंचेगी।

चंद्रमुखी 2 के सेट पर लौटीं कंगना रनौत



एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी के पोस्ट-प्रोडक्शन में काफी बिजी हैं। फिल्म में कंगना रनौत ने एक निदेशक के रूप में और एक अभिनेता के रूप में दो मोचरों पर काम किया है। क्वीन की एक्ट्रेस ने चंद्रमुखी 2 के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। कंगना ने बुधवार को सोशल मीडिया पर वैनिटी वैन से तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्हें फिल्म के सीन के लिए तैयार होते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अपनी टीम के साथ अपकमिंग फिल्म चंद्रमुखी 2 के सेट पर वापसी। हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। इससे पहले एक्ट्रेस ने शेयर किया था कि वह चंद्रमुखी 2 के लिए क्लाइमैक्स सीन के लिए हिंसल कर रही थी। इसे कला मास्टरजी द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है, जिसमें गोल्डन ग्लोब अवार्ड विनर एम.एम. कीरावनी द्वारा कंपोज किया गया। चंद्रमुखी का वरई सीन एक बड़ा हिट है। फैस कंगना से भी यही उमीद कर रहे हैं। चंद्रमुखी 2 रजनीकांत की लोकप्रिय फिल्म चंद्रमुखी का सीकल है। जहां कंगना सीकल में एक नर्तकी की मुख्य भूमिका निभाएंगी, वहीं राघव लॉरेंस फिल्म में पुरुष प्रधान भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म पी. वासु द्वारा निर्देशित और लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है।

एनटीआर जूनियर से फिटनेस टिप्स लेना चाहते हैं हॉलीवुड फिल्मकार केविन टाफ्ट

लॉस एंजेलिस। एलए में हाल ही में एचसीए अवॉर्ड्स के दौरान हॉलीवुड फिल्म निर्माता केविन टाफ्ट ने भारतीय अभिनेता एनटीआर जूनियर की फिटनेस की प्रशंसा की और बताया कि कैसे वह कोमाराम भीम के रूप में एनटीआर जूनियर के परफॉर्मस को देख अपनी सीट से उठकर ताली बजाने लगे थे।



जंगली जानवरों के झुंड को बाजीगरी करते हुए मोटरसाइकिल की सवारी करना और कमांड करना, बाघ की ओर दहाड़ जैसे एनटीआर के खतरनाक स्टंट को देख हॉलीवुड फिल्म निर्माता टाफ्ट हैरान है। उन्होंने कहा, एनटीआर के परफॉर्मस ने मुझे ताली बजाने के लिए सीट से उठने के लिए मजबूर कर दिया। मैं अपने दोस्तों के साथ अनुभव साझा करने के लिए एक्साइटिड हो गया। सिल्वर स्क्रीन की शोभा बढ़ाने के लिए सबसे आकर्षक प्रदर्शनों में से यह एक था। मुझे नहीं पता एनटीआर जूनियर के पर्सनल ट्रेनर का क्या नाम है, लेकिन मैं उनसे टिप्स लेना चाहता हूं। एनटीआर जूनियर, जनता गैराज के निदेशक कोराताला शिवा द्वारा एनटीआर 30 में देखा जाएगा। वह एनटीआर 31 पर केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील के साथ काम करेंगे।



एंटी कुमार ने अपनी नई फिल्म लिटिल इंग्लिश का खुलासा किया

कोरियोग्राफर और प्रस्तुतकर्ता एंटी कुमार अपने नए प्रोजेक्ट के लिए उत्साहित हैं। उनकी फिल्म लिटिल इंग्लिश फिल्म फेस्टिवल्स में धूम मचा रही है। एंटी कहते हैं, यह एक फीचर फिल्म है। कहानी खूबसूरत है। एक पंजाबी लड़की के बारे में है, जिसकी यूके में एक परिवार में शादी हो जाती है और वह कैसे अपनी आजादी पाती है। यह ब्रिटेन में रिलीज होने वाली है और बीएफआई द्वारा समर्थित है। यह इस साल 17 मार्च को रिलीज होगी। मैंने कॉस्टयूम और प्रोडक्शन डिजाइन करते हुए फिल्म में एक बहुत ही दिलचस्प भूमिका भी निभाई है। एंटी ने कोरियोग्राफी में अपने लिए काफी नाम कमाया है। उन्होंने कई संगीत वीडियो और हॉलीवुड फिल्मों के लिए कोरियोग्राफी भी की है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि उनके पास कलियों का चमन और क्या मां जैसे सुपरहिट गाने हैं। कई लोगों को पता नहीं है कि मैं एक प्रशिक्षित डांसर हूँ और लंदन थिएटर सीन में अपनी कोरियोग्राफी की यात्रा शुरू कर रहा हूँ, मैं साल में कम से कम एक थिएटर प्रोडक्शन में काम करता हूँ और एमबीई प्रवेश कुमार की अध्यक्षता वाली द रिफो थिएटर कंपनी में एक कोर क्रिएटिव के रूप में काम करता हूँ। अब हम हॉलीवुड पर आधारित एक म्यूजिकल पर काम कर रहे हैं। मूल रूप से यूके के रहने वाले एंटी 17 साल तक मुंबई में रहे। अब वे ओटीटी स्पेस में कुछ करना चाहते हैं - अब मुझे नए और विविध शो बनाना पसंद है। मुझे लगता है कि मैं डेंटिंग स्पेस का मालिक हूँ। मैं डेयर टू डेट को एक नए संस्करण में लाना चाहता हूँ और यह फिर से जुड़ने का एक शानदार तरीका होगा। मैं यहाँ ओटीटी के लिए तैयार हूँ।



काचा बादाम फेम भुबन की बिगड़ी हालत



काचा बादाम गाकर रातोंरात सुर्खियों में छाप भुबन बादायकर इस वक्त मुश्किल में हैं। उनके हालात बुरी तरह बिगड़ चुके हैं। भुबन ने हाल ही दिए इंटरव्यू में रोते हुए बताया कि उन्हें अब कुछ कमाई नहीं हो रही क्योंकि शोज नहीं मिल रहे। अब वह अपने खुद के ही गाने को नहीं गा पा रहे हैं। काचा बादाम गाकर रातोंरात स्टार बने भुबन बादायकर आपको याद हैं? मूंगफली बेच-बेचकर काचा बादाम गाने वाले भुबन को एक वीडियो ने स्टार बना दिया था। कुछ समय पहले भुबन बादायकर ने ही एक इंटरव्यू में कहा था कि अब उनके पास मूंगफली बेचने का

समय नहीं है और वह अब गाइडों से घिरे हैं। लेकिन अब वही भुबन बादायकर बड़ी मुश्किल में हैं। जिस गाने की वजह से भुबन को पॉपुलैरिटी मिली, उसी गाने को वह अब नहीं गा पा रहे हैं। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि अब भुबन बादायकर को काम नहीं मिल रहा है। 2022 में तब चर्चा में आए थे, जब सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में भुबन बादायकर घूम-घूमकर मूंगफली बेचते और काचा बादाम गाते नजर आ रहे थे। यह वीडियो लोगों को इस कदर पसंद आया कि आग की तरह फैल गया और भुबन रातोंरात स्टार बन

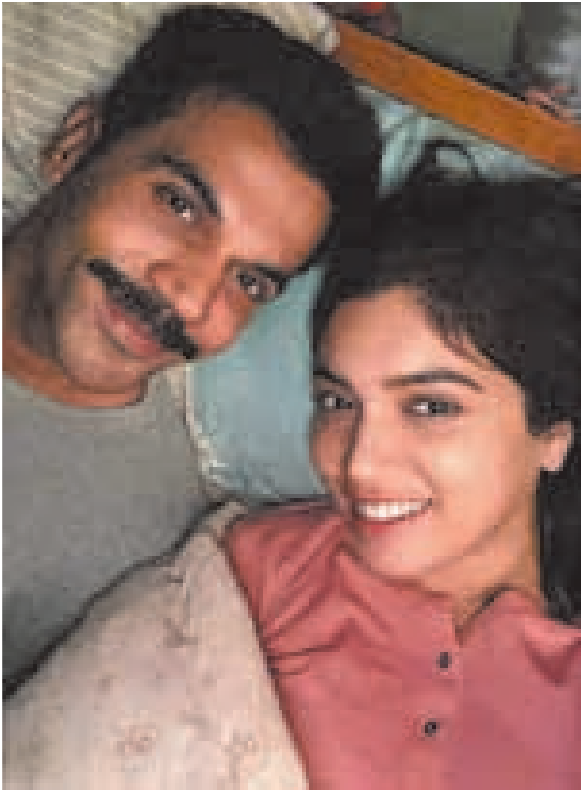
गए। फिर तो देश के कोने-कोने से लोग भुबन बादायकर से मिलने और उनके साथ वीडियो बनाने पहुंचने लगे। भुबन के हालात सुघरे तो उन्होंने यह गाना न सिर्फ रिकॉर्ड किया, बल्कि पैसे भी कमाए और गाड़ी तक खरीदी। लोग भी भुबन बादायकर के साथ-साथ काचा बादाम पर खूब रील्स बना रहे थे। अंजलि अरोड़ा भी पहली बार तब सुर्खियों में आई जब उन्हें काचा बादाम की रील पर डांस करते देखा गया। भुबन बादायकर के काचा बादाम से बाकी लोग तो मशहूर हो गए, पर अब खुद भुबन को कमाई के लाले पड़ गए हैं।

-शिकायतकर्ता का दावा

रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत में शख्स ने दावा किया कि तुलसियानी गोल्फ व्यू के सुर्शांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित प्लेटेड किसी और को दे दिया गया। शिकायतकर्ता ने गौरी खान के अलावा तुलसियानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट लिमिटेड के सीएमडी अनिल कुमार तुलसियानी और इसके निदेशक महेश तुलसियानी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसने ब्रांड एंबेसडर गौरी खान से प्रभावित होकर प्लेटेड खरीदा था।

अब मैं अकेला नहीं रहा: सिद्धार्थ मल्होत्रा

हॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फोटोग्राफरों को कैमरे में अकेले पोज देने के अनुरोध के लिए बेहतरीन प्रतिक्रिया दी। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर शेरशाह अभिनेता का एक वीडियो साझा किया, जिसने कैमरों के लिए अकेले पोज देने के लिए कहने पर मजाकिया जवाब दिया। जब फोटोग्राफर्स ने उन्हें अकेले पोज देने के लिए कहा तो उन्होंने कहा, अब मैं अकेला नहीं रहा। सिद्धार्थ और कियारा ने पिछले महीने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी। काम के मोचों पर, सिद्धार्थ अब अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आएंगे, जिसमें शिल्पा शेडी और विवेक ओबेरॉय भी हैं। उनकी फिल्म योद्धा भी आ रही है।



राजकुमार और भूमि के सोशल मीडिया फीड ने लिया एक ब्लैक एंड व्हाइट मोड़

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की पिक्चर-परफेक्ट इंस्टाग्राम फीड ने एक मोनोक्रोमैटिक मोड़ ले लिया है। ऐसे में दोनों के प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि यह जोड़ी 1947 के भारत विभाजन पर आधारित फिल्म कर रही है। यह हर किसी के लिए आश्चर्य की बात है, उनके संबंधित फीड्स हमें ब्लैक एंड व्हाइट युग में वापस ले गए हैं। हालांकि, एक्टर्स के कैप्शन कुछ ओर इशारा कर रहे हैं। आइए इन्हें डिकोड करते हैं। भूमि ने पोस्ट कर कहा, एक विभाजन की कहानी जिसके कारण कई लोग अपनी ही भूमि में अजनबी बन गए। इंस्टाग्राम की तस्वीरों से ऐसा लगता है कि वे 1947 के विभाजन के समय की हैं, क्या वे किसी नए प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहे हैं? इन ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया है और हर कोई जानना चाहता है कि यह किस बारे में है। काम के मोचों पर, दोनों कलाकार अगली बार भीड़ में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्देशन शानदार निदेशक अनुभव सिन्हा ने किया है और इसे भूषण कुमार ने संयुक्त रूप से निर्मित किया है।



शाहरुख की पत्नी गौरी के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर दर्ज

हॉलीवुड स्टार शाहरुख खान जहां एक तरफ पठान की सुपर सक्सेस के जश्न में डूबे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके लिए एक बुरी खबर है। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान एक बड़ी मुश्किल में फंस गई हैं। गौरी खान समेत 3 लोगों के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर दर्ज की गई है। गौरी के खिलाफ यह केस आईपीसी की धारा 409 के तहत दर्ज किया गया है। दरअसल तुलसियानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स लिमिटेड की ब्रांड एंबेसडर हैं। मंबई के रहने वाले किरीट जसवंत शाह नाम के एक शख्स ने इस प्रोजेक्ट का लखनऊ में एक प्लॉट खरीदा था। शख्स का दावा है कि अब तक 86 लाख रुपये दिए जाने के बावजूद उसे प्लॉट नहीं मिला है। उसने गौरी खान पर पैसे हड़पने का आरोप लगाते हुए लखनऊ थाने में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर गौरी खान के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर में

32 की मौत, 80 से अधिक घायल

एथेंस । मध्य ग्रीस में दो ट्रेनों के बीच भीषण टक्कर में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। सोएनएन ने ग्रीक फायर सर्विस के हवाले से बताया कि बसका लारिसा शहर पास टेंपी में मंगलवार देर रात हुआ। 350 लोगों को लेकर एथेंस से उत्तरी शहर थेसालोनीकी जा रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच टक्कर की वजह की जांच की जा रही है। राष्ट्रीय प्रसाकई आईआरटी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि जोरदार टक्कर के बाद कई डिब्बे पटरी से उतर गए और कम से कम तीन में आग लग गई। ग्रीक फायर सर्विस ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सेवा के प्रवक्ता वासिलिस वर्थकोकियायानिस ने कहा कि 17 चाहनों और 40 एंबुलेंस के साथ कम से कम 150 दमकलकर्मों वर्तमान में चल रहे बचाव अभियान में शामिल हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि 194 यात्रियों को सुरक्षित रूप से थेसालोनीकी ले जाया गया और 20 लोगों को लारिसा शहर में बस द्वारा स्थानांतरित किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि घायलों में से 53 अस्पताल में भर्ती हैं।

गौतम अदानी पर बांग्लादेश में

विपक्षियों का हल्ला बोल

ढाका । भारत के अरबपति कारोबारी गौतम अदानी की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक तो पहले से ही अदानी समूह गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है और अब बांग्लादेश में विपक्षी दलों और सिविल सोसायटी ने अदानी समूह के साथ ऊर्जा क्षेत्र में किए गए करार पर जोर शोर से हल्ला बोल दिया है। गौतमरतनब है की वर्ष 2017 के नवंबर माह में बांग्लादेश सरकार ने अदानी समूह के साथ 1.7 अरब डॉलर का करार किया था। इस करार के अनुसार भारत में झारखंड के गोड्डा में 1600 मेगावाट का कोयला आधारित पावर प्लांट लगाया जाना था और इस प्लांट से पैदा हुई बिजली को 25 सालों तक बांग्लादेश को बेचा जाना था। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में बांग्लादेश में इस समझौते को लेकर तमाम आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। इनमें इस समझौते को भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय रिश्तों के लिए जोखिमपूर्ण बताया जा रहा है। बांग्लादेश वर्तमान में भारत से 1,160 मेगावाट बिजली का आयात करता है। 24 जनवरी को आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद से अदानी समूह के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। गौतम अदानी के नेतृत्व वाला अदानी समूह वर्तमान में गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने की भारतीय

नागरिक को गोली मारी, मौत

सिडनी,। ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी है। यह पूरी घटना ऑर्बन रेलवे स्टेशन के पास घटित हुई जिन 28 साल के भारतीय नागरिक मोहम्मद रहमतुल्लाह सैयद अहमद में मंगलवार को 12-03 बजे एक सफाईकर्मि पर चाकू से हमला किया था। उसके बाद उसने पुलिस को भी धमकाया। जिसके चलते पुलिस ने उसे मौके पर ही गोली से मार दी। भारतीय दूतावास ने इस संबंध में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स की पुलिस से पूरी रिपोर्ट मांगी है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावास ने पहचान की थी कि हमलावर मोहम्मद रहमतुल्लाह सैयद अहमद तमिलनाडु का रहने वाला था और ब्रिजिंग वीजा पर अर्बन में रह रहा था। सिडनी के मॉर्निंग हेराल्ड अखबार के अनुसार पुलिस के हवाले से बताया कि अहमद ने मंगलवार को ऑर्बन रेलवे स्टेशन पर एक सफाई कर्मि पर हमला किया। उसके बाद उसने 2 अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी हमला करने की कोशिश की थी। उसी दौरान एक पुलिस अधिकारी ने 3 गोलीयां चलाई जिसमें से दो अहमद के सीने में लगीं। इसके साथ वहीं प्रोबेशनरी कॉन्स्टेबल ने उस पर अपने टेजर का भी इस्तेमाल किया था। हालांकि उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। न्यू साउथ वेल्स की पुलिस सहायक आयुक्त स्टुअर्ट ने बताया कि हमारे पास जवाब देने के लिए कुछ ही सेकंड बचे थे। उनके अनुसार अपनी जान बचाने के लिए उनके पास अहमद को गोली मारने के अलावा कोई और अन्य विकल्प नहीं बचा था। हालांकि उन्होंने कहा की घटना दर्दनाक है इसके लिए आतंकवाद विरोधी एजेंसियों की जांच में मदद भी ली जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि अहमद मानसिक रूप से कहीं अस्वस्थ तो नहीं था। जिसकी वजह से उसने सफाईकर्मि पर हमला किया और पुलिस अधिकारियों को भी धमकाया।

आईएमएफ

हम आईएमएफ के सदस्य, भिखारी नहीं, अगर ऐसा है तो हमारी सदस्यता ही खत्म कर दीजिए : पाक अफसर

बिना किसी नोटिस के बदला आईएमएफ ने 4 पूर्व शर्तें, पाक आगबबूला

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आइएमएफ) की तरफ से मिलने वाला बेलआउट पैकेज पाकिस्तान के लिए आर्थिक संकट में आखिरी उम्मीद था। आखिर में बात नहीं बनी और अब हालात दिन-पर-दिन गंभीर होते जा रहे हैं। अब जो खबरे पाकिस्तान की मीडिया में आ रही हैं, उसके मुताबिक देश की अर्थराटीज इस बात से खासी नाराज हैं कि संगठन ने पूर्व की चार शतों पर अपना दिमाग बदल लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार अब आईएमएफ की फंडिंग को हासिल करने के लिए मशकत कर रही है। अधिकारी पर्दे के पीछे वार्ता कर रहे हैं और प्रशासन काफी घबराया हुआ है। अर्थराटीज की मानें तो अब कर्ज की किस्त को जारी कराने में मुश्किल बढ़ती जा रही है। मीडिया के अनुसार आईएमएफ ने कम से कम चार पूर्व शतों को बदल दिया और वह भी बिना किसी नोटिस के। जैसे ही बेलआउट पैकेज के लिए स्टफ लेवल एग्जिमेंट होने को था, इन शतों की वजह से परेशानी पैदा हो गई। सूत्रों की तरफ से बताया गया है कि अर्थराटीज ताजस्थिति की वजह से काफी पण्डित हैं। उन्होंने पूरी स्थिति को पाकिस्तान के साथ बदसलूकी करार

लोन की दूर-दूर तक कोई उम्मीद नहीं दिखने पर पाकिस्तानी अधिकारी इसके लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसी को जिम्मेदार बताने लगे हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारी इस बात से बौखलाए हुए हैं कि आईएमएफ शर्तें लगा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सदस्य देश हैं, भखिरी नहीं। एक अन्य पाकिस्तानी

मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारी इस बात से बौखलाए हुए हैं कि आईएमएफ शर्तें लगा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सदस्य देश हैं, भ्रिखारी नहीं। एक अन्य पाकिस्तानी

अधिकारी ने तो हालात की तुलना 1998 से कर दी। उस समय पाकिस्तान परमाणु विकसोट किया था और अर्थिक तबाही आ गई थी। इस पाकिस्तान के डिफेंसल होने का खतरा है या पाकिस्तान की सरकार और को मानने में नाकाम रही है और मिलना अब बहुत ही मुश्किल हो पाकिस्तानी अखबार ट्रिब्यून की मुताबिक यह बहुत ही दुर्लभ है कि सरकार भारी राजनीतिक कीमत चुका कर फैसले लेने के बाद भी चीन लोन नहीं ले पाई है। अब पाकिस्तान दावा कर रहे हैं कि इसके लिए आईसीजे जिम्मेदार है। हालात अब यह हो पाकिस्तान के वित्त मंत्री अमेरिका

में पहुंच गए हैं।पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार ने अमेरिका के डिट्टी वित्त मंत्री वल्टी अडेयेमो के साथ बैठक की है। अमेरिकी वल्टी एक दूसरे मुद्दे पर बातचीत करना चाहते थे और इसी में पाकिस्तान लोन की भीख मांगने लगा। पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच मुद्दा के एक्सचेंज रेंट, ब्याज दर, बिजली पर सरचाज को लेकर मतभेद बना हुआ है। पाकिस्तान सरकार करीब 25 साल के बाद इस तरह के हालात का सामना कर रही है। पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच में 1.1 अरब डॉलर के लोन के लिए पिछले करीब 1 महीने से बातचीत चल रही है। पाकिस्तान को चीन को छोड़कर किसी देश से लोन नहीं मिल रहा है। दोस्त सडदी अरब भी किनारा कर चुका है।

सिर्फ 12 दिनों में परमाणु बम बना सकता है ईरान

वाँशिंगटन। ईरान अब परमाणु बम बनाने के करीब पहुंच गया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ईरान सफ 125 दिनों में परमाणु बम की सामग्री बना सकता है। ईरान ने यूरैनियम की एक बड़े खेप इकट्ठा की है। ईरान ने इसे इतना संवर्धित कर लिया है कि परमाणु बम बना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉ कौलिन काहल ने सांसदों से कहा कि साल 2015 के ईरान परमाणु समझौते की शर्तों के तहत पहले ईरान को परमाणु बम के लिए पर्याप्त सामग्री बनाने में एक साल लगा जाते थे। उन्होंने कहा कि चूंकि हमारे संयुक्त व्यापक कार्रवाई योजना (जेसीपीओए) छोड़ने के बाद से ईरान की परमाणु प्रगति उल्लेखनीय रही है। जब

पिछले प्रशासन ने जेसीपीओए को छोड़ने का फैसला किया था तो ईरान को एक बम के लायक पर्याप्त सामग्री बनाने में करीब 12 महीने लगते थे। अब इसमें करीब 12 दिन लगेंगे। काहल ने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि अभी भी यह विचार है कि यदि आप इस मुद्दे को कूटनीतिक रूप से हल कर सकते हैं और उनके परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगा सकते हैं, तो यह अन्य विकल्पों की तुलना में बेहतर है। लेकिन जेसीपीओए सुस्त पड़ा हुआ है। वहीं अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान विखंडनीय सामग्री के उत्पादन के करीब पहुंच गया है। उन्हें विश्वास नहीं है कि उसने वास्तव में बम बनाने की तकनीक में महारत हासिल कर ली है।

214 साल पुरानी

1170 किलो की सीप

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में समुद्र तट पर 1 सौ मील लम्बी है। इसका आकार कार्नाट और मजबूती के कारण इस पर विशेष ध्यान गया। 1170 किलो वजन की इस सीप को खोजकर्ता अपने साथ लेकर गए। इसकी कार्बन डेटिंग करने पर जानकारी लगी, कि यह 214 साल पुरानी सीप है। खोजकर्ताओं का कहना है कि इस सीपी का इस समुद्र तट पर मिलना सबसे दुर्लभ घटना है।

पेरिश में फैशन वीक में परिधानों को पेश करती हुई एक मॉडल।

अमेरिकी कानून निर्माताओं ने चीन को अमेरिका पर अस्तित्व पर खतरा करार दिया

सीसीपी ने कहा- हमें इस पर तत्काल कदम उठाने होंगे

[illegible]

वाला कोई टेनिस मैच नहीं है। यह एक अस्तित्व पर संघर्ष है कि 21वीं सदी में जीवन कैसे होगा और अधिकतर मूलभूत अधिकार दांव पर लगे हुए हैं। मैं इस पर तत्काल कदम उठाऊंगा। आने वाले दस सालों में हमारी नीति सैकड़ों सालों के लिए मंच तैयार करेगी। कांग्रेस के भारतीय मूल के राजा किशोरमूर्ति ने गालगोरी की बातों का समर्थन किया/राजा किशोरमूर्ति ने कहा कि पिछले तीन दशकों से डेमोक्रेट्स और रीपब्लिकनस ने सीसीपी को कमतर आंका। दोनों ने यह मान लिया था कि व्यापार और निवेश से निश्चित तौर पर लोकतंत्र आएगा और पीसीआर समेत इंडो-वीकस्मिक् क्षेत्र में अच्छा सुस्था होगी, लेकिन हुआ ठीक इसके विपरीत। कुण्णमूर्ति ने कहा कि ग्रुप को तकनीकी क्षेत्र में निवेश

जारी रखना चाहिए। इसके साथ ही अमेरिका ने निर्माण को बहेतर करना चाहिए। हम पीसीआर के साथ युद्ध नहीं चाहते, न कोलड वार, न हॉट वार। हम समथ्यताओं का टकराव नहीं चाहते। इसलिए हमें आक्रामकता पर अंकुश लगाना होगा। क्लॉन्डिया टेने ने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने अमेरिकी लोगों को नुकसान पहुंचाया है। उसके द्वारा वित्तपोषित जासूसों ने अमेरिका की बौद्धिक संपदा को चुराया और चीन की अनुचित व्यापार युक्तियों ने अमेरिकी उद्योगों का व्यापार बंद करवा दिया। इसके साथ ही चीन अब अपने आर्थिक प्रभाव का फायदा उठाते हुए विश्वों में भी अपने खतरनाक और स्वतंत्रता को खतरे वाले मॉडल को फैला रहा है।

तीन साल बाद हांगकांग के लोगों

को फेस मास्क से मुक्ति मिली

हांगकांग। हांगकांग में कोरोना फैलने के बाद श्रद्धा नियम लागू किए गए थे। यहां फंस करवर्ग को भी अनिवार्य किया था। 3 साल बाद अब यहां के लोगों को फंस मास्क से मुक्ति मिली है। 959 दिनों के बाद हांगकांग में कोरोना मास्क को खत्म कर दिया गया है। नया नियम अब आज से लागू होगा। स्थानीय प्रशासन अब कुछ हलाकों में स्थिति सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। हांगकांग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन ली ने बताया कि हमें लगता है कि मास्क को लेकर फैसला करने के लिए हम सबसे अच्छा समय

है। हांगकांग दुनिया को अब संदेश दे रहा है कि यहाँ अब जीवन पहली को तरह सामान्य हो गया है। हांगकांग उन चुनिंद शहरों में से एक है, जहाँ अब तक भारत अनिवार्य था, जबकि दुनिया भर के अधिकांश देशों ने चरणबद्ध तरीके से भारत को लेकर अपने नियमों में बदलाव किया था। हांगकांग ने बीजिंग द्वारा निर्धारित किए गए नियम का पालन करना जारी रखा था। हांगकांग में भारत को लेकर नियम पहली बार 29 जुलाई 2020 को लागू किया गया था। सभी लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर भारत पहनने के लिए निर्देशित किया

गया था। वहीं नियमों का पालन करने में अधिकारी क़रीब 1275 डॉलर तक का ज़ुर्माना लग सकते थे। मारुफ़ को लेकर बनाए गए नियम की आलोचना के बाद पिछले साल दिसंबर में हांगकांग के अधिकारियों ने ऐब्रू को डेड ख़तम करने का फैसला किया था। जिसने लोगों को किसी भी ज़ेह पर प्रवेश करने के लिए एक एक का उपयोग करना होता था। हाँकांग की अर्थव्यवस्था पर सख़्त क़ॉविड प्रतिबंधों का काफी बुरा प्रभाव पड़ा था। जिससे उसकी अर्थव्यवस्था 3.5 प्रतिशत तक सिमट गई थी।

टोक्यो । जापान सरकार ने ऐलान किया है कि भारत में आज से हो रहे जरी-20 देशों के विदेशी मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी हिस्सा नहीं लेंगे। हयाशी की जगह पर विदेश राज्य मंत्री केजि यमदा नई दिल्ली जा रहे हैं। इससे पहले जापान के नेताओं और भारत के अधिकारियों ने जापानी विदेश मंत्री ने इस योजना पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद भी जापानी विदेश मंत्री ने अपने दोस्तों और देशों के लोगों की मांग को दरकिनार कर दिया। विश्वलेषकों का कहना है कि इसका असर दो देशों के बीच रिश्तों में बुरा पड़ सकता है। वह भी तब जब चीन के नए विदेश मंत्री अपने पहले



भारत दौरे पर आ रहे हैं। जापान की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों के अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों, खाद्यन और ऊर्जा सुरक्षा तथा रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा कर सकते हैं। जापान

नये वह फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब वह खुद महीने में जी-7 देशों की बैठक आयोजित करने जा रहा है। हैजापान की योजना है कि वह जी-7 देशों की बैठक में भारत को भी आमंत्रित करे। अमेरिका के हडसन इंस्टीट्यूट में जापानी मामलों के विशेषज्ञ डॉक्टर सतारु नगाओ ने जापानी विदेश मंत्री के भारत नहीं आने के फैसले की कड़ई आलोचना की है। सतारु ने कहा कि अगर जापानी विदेश मंत्री जी-20 देशों की बैठक में नहीं शामिल होते हैं तो भारत इस फैसले से बहुत नाराज होगा। सतारु की वजह यह है कि भारत जी-20 बैठक को लेकर अपने प्रयासों पर पूरा भरोसा किए हुए है। यह भारत के

साथ जापान के रिशतों को बाद में प्रभावित करेगा। विदेश मंत्री हयाशी को निश्चित रूप से जाना चाहिए इससे पहले जापान के सांसदों ने भी जापानी विदेश मंत्री के इस फैसले को कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि जापान 7-1 देशों की बैठक से एक बड़ा मौका खो देगा। इससे पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ अतीत दोस्ती को निभाते हुए उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। ऐसे समय पर जब चीन भारत और जापान दोनों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है, जापानी विदेश मंत्री के फैसले को बहुत हैरानी से देखा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रिटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंट, गुरुआ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*), फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshbranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)